केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 355 शुक्रवार 19 जुलाई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

डीएम ने किया आरटीओ कार्यालय का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने आरटीओ कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सभी स्टाफ उपस्थित पाये गये। उन्होने निर्देश दिया कि यदि को अधिकारी व कर्मचारी किसी कार्य से बाहर जाते है तो भ्रमण पंजिका में अवश्य दर्ज करें। इसके साथ ही उन्होने साफ–सफाई और बेहतर करने का निर्देश दिया है। निरीक्षण के दौरान सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी पंकज सिंह सहित संबंधित कार्यालय के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

मोहित अपहरण कांड के आरोपी ने कही आत्मसमर्पण की बात

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मोहित यादव अपहरण कांड के आरोपी सत्यम कसौधन ने आत्मसमर्पण की बात कही है। 18 जुलाई 2024 को फेसबुक पर अपनी पोस्ट डालते हुए सत्यम कसौधन ने कहा कि मैं बस्ती जिले में सरेंडर करने जा रहा हूं। साथ ही आप सब को बताना है कि मोहित अपहरण कांड में मेरा कोई रोल नहीं है। मुझे सिर्फ मोहरा बनाया जा रहा है। मैंने कुछ नहीं किया है। मैं निर्दोष हूं। मेरा कोई मामला नहीं था। मैं तो बस अपना वीडियो डिलीट कराने गया था। मुझे नहीं पता कि इतनी बड़ी साजिश हो जाएगी। घटना के समय मैं अपने घर पर था। जिसका प्रमाण मेरे घर में लगा सीसीटीवी कैमरा है। जब मैं घटना स्थल पर पहुंचा तो देखा कि मोहित ठीक था। उसे घर छोड़ने के लिए एक काले रंग की सफारी में बैठाकर ले जाने लगे। तभी घटना स्थल से जैसे मैं आने लगा तो पता चला कि कोतवाली में मामला हो गया है। जिसे सुनते ही मैं सहम गया और फरार हो गया। 'हिन्दुस्तान सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट के सत्यता की पुष्टि नहीं करता है।

बताते चलें कि शहर के पिकौरा दत्तराय मोहल्ले से 12 जुलाई मोहित यादव निवासी सुकरौली, थाना लालगंज को पिटाई कर घर से अपहृत कर लिया गया था। पुलिस ने मकान मालिक की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने अभी तक सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार मोहित की हत्या कर शव कुआनो नदी में डाल दिया गया है। अभी तीन और आरोपी फरार बताए जा रहे हैं जिसके एक सत्यम कसौधन भी है। जिसके बारे में कहा जा रहा है कि मोहित यादव सत्यम कसौधन का अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करता था और कई बार रुपये लिया था। आरोपी सत्यम फरार चल रहा था। अब फेसबुक पर 18 जुलाई को उसने आत्मसमर्पण की पोस्ट डाला है। इस बाबत एएसपी ओपी सिंह ने कहा कि फेसबुक पर पोस्ट और आरोपी के आत्मसमर्पण की मुझे कोई जानकारी नहीं हैं।

शिकायत पर सीएचसी पर पहुंचे विधायक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सीएचसी कप्तानगंज में चिकित्सक उपलब्ध नहीं होने व मरीजों को दवाएं नहीं मिलने की शिकायत पर विधायक कवींद्र चौधरी गुरुवार सुबह सीएचसी कप्तानगंज जा धमके। सीएचसी में मौजूद प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. अभय सिंह से पूछताछ की। डॉ. अभय सिंह ने बताया कि चिकित्सक इमरजेंसी व ओपीडी में उपलब्ध रहते हैं। दुर्घटना का केस आने पर चिकित्सक उपस्थित हो जाते हैं। अस्पताल में आवश्यक दवाएं भरपूर उपलब्ध हैं।

गोण्डा ट्रेन हादसे में साजिश.? चंडीगढ़ एक्सप्रेस के पटरी से उतरने से पहले लोको पायलट ने सुनी थी धमाके की आवाज

गोण्डा (आभा)। गोंडा में चंडीगढ़ डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के हादसे के पीछे साजिश की आशंका भी सामने आ रही है। ट्रेन के लोको पायलट के अनुसार हादसे से ठीक पहले उसने धमाके की आवाज सुनी थी। लोको पायलट की सूचना के बाद रेलवे प्रशासन ने कई एंगल पर जांच शुरू कर दी है। पूर्वोत्तर रेलवे के सीपीआरओ पंकज सिंह के अनुसार सीआरएस (कमिश्नर ऑफ रेलवे सेफ्टी) की जांच कराई जाएगी। हादसे में अब तक चार लोगों की मौत हो चुकी है। छह लोग गंभीर रूप से घायल हैं। सीएम योगी ने मामले का संज्ञान लिया है।

गोंडा–गोरखपुर रेलमार्ग पर मोतीगंज के रामपुर गांव के पास दोपहर करीब तीन बजे चंडीगढ़–डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस की कई बोगियां पटरी से उतर गईं। इनमें

–4 की मौत, 6 घायल

पांच बोगियां पलट गई थीं। रेलवे व पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गई और घायलों को अस्पताल भेजा गया। गंभीर रूप से घायल लोगों को लखनऊ भेजा गया है। डीएम नेहा शर्मा भी मौके पर पहुंचीं। उन्होंने चार लोगों की मौत की बात कही थी। हालांकि अन्य अफसर दो लोगों की मौत की बात कह रहे हैं। कई यात्रियों को डिब्बों से शीशे तोड़कर बाहर निकाला गया है। रेलवे ने मृतकों के परिजनों को 10 लाख की बढ़ी हुई अनुग्रह राशि, गंभीर रूप से घायलों को 2.5 लाख, और साधारण रूप से घायलों को 50 हजार रुपये की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है। हादसे के चलते कटिहार–अमृतसर एक्सप्रेस, आम्रपाली एक्सप्रेस, जम्मूतवी अमरनाथ एक्सप्रेस और गुवाहाटी–श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस समेत 10 रेलगाड़ियों को मार्ग बदलकर संचालित किया जा रहा है।

अखिलेश यादव का मानसून आफर 100 विधायक लाओ, सरकार बनाओ

लखनऊ (आभा)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर की गई एक पोस्ट ने हलचल मचा दी है। उन्होंने ऑफर दिया है कि 100 विधायक लेकर आओ... मुख्यमंत्री बनने के लिए सपा समर्थन देगी।

राजनीतिक सूत्रों के अनुसार, अगर भाजपा में कोई भी नेता 100 विधायकों का समर्थन जुटा लेता है तो सपा मुख्यमंत्री पद के लिए उसे समर्थन दे सकती है। इसे उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से जोड़कर देखा जा रहा है।

इसके साथ ही तरह–तरह की राजनीतिक चर्चाओं के बीच दिल्ली से केशव के लखनऊ लौटने पर अखिलेश ने कटाक्ष भी किया है– लौट के बुद्धू घर को आए।

यहां बता दें कि केशव प्रसाद मौर्य ने भी बुधवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर एक्स के जरिये हमला बोलते हुए उन्हें सपा बहादुर की संज्ञा देते हुए कहा था कि यूपी और केंद्र दोनों ही जगह मजबूत सरकार है। 2017 की तरह 2027 में भी हम यूपी में सरकार बनाएंगे। उन्होंने सपा के पीडीए को धोखा करार दिया था।

खलिहान की जमीन से अवैध कब्जा हटाने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के बोदवल निवासी विरेन्द्र प्रताप सिंह पुत्र राजमन सिंह ने जिलाधिकारी को पत्र देकर नगर पंचायत मुण्डेरवा के वार्ड नम्बर 7 में बरडाड गांव में स्थित खलिहान की जमीन गाटा संख्या 603 / 0.253 एवं गाटा संख्या 602 / 0.152 हेक्टेयर भूमि से अवैध कब्जा हटवाने की मांग किया है।

डीएम को दिये पत्र में विरेन्द्र प्रताप सिंह पुत्र राजमन सिंह ने कहा है कि उनके पिता राजमन सिंह के नाम राजस्व ग्राम बरडाड में खेती है। नगर पंचायत मुण्डेरवा के निवासी लौटू पुत्र मुनेसर के के साथ ही लगभग 16 लोगों ने खलिहान की जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा है। इस सम्बन्ध में मुख्यमंत्री पोर्टल से लेकर अनेक स्थानों पर अवैध कब्जा हटाने के लिये पत्र भेजा गया, नगर पंचायत मुण्डेरवा के अधिशासी अधिकारी ने जिलाधिकारी को 21 जून 2024 को भेजे पत्र में कहा है कि सम्बंधित भूमि का सीमांकन तहसीलदार द्वारा गठित संयुक्त टीम से कराया गया जिसमें 15 लोगों का पक्का निर्माण अवैध कब्जा पाया गया। एक सप्ताह के भीतर भूमि खाली करने हेतु नोटिस भेजा गया । यदि कब्जा नही हटाया जाता तो कार्रवाई की जायेगी किन्तु मामला ठंडे बस्ते में हैं। विरेन्द्र प्रताप सिंह ने डीएम से आग्रह किया है कि अवैध कब्जा प्राथमिकता से हटवाया जाय।

बकरी चराने पर दलित के बच्चों को पीटाः एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के विल्लौर निवासी दलित संजय कुमार पुत्र राममन ने पुलिस अधीक्षक को पत्र भेजकर न्याय की गुहार लगाया है। पत्र में संजय कुमार ने कहा है कि उसका 8 वर्षीय बेटा राजवीर और उसके मौसी की 13 वर्षीया लड़की गत 15 जुलाई को गांव के भट्ठे के पास बकरी चरा रहे थे कि गांव के सत्यपाल चौधरी उर्फ निक्कू पुत्र पारसनाथ चौधरी ने दोनों बच्चों को पाइप से बुरी तरह से इसलिये मारा पीटा क्योंकि कुछ बकरियां उनके खेत में चली गई थी। संजय कुमार के अनुसार सत्यपाल चौधरी उर्फ निक्कू ने 13 वर्षीया लड़की के साथ अश्लील हरकत किया। शिकायत करने पर सत्यपाल चौधरी उर्फ निक्कू ने जाति सूचक गालियां देते हुये धमकी दिया कि फिर कोई बकरी चराते हुये मिला अंजाम बुरा होगा। मुण्डेरवा पुलिस ने दोनों पक्षों का बीएनएसएस की धारा 170, 126, 135 में प्रकरण को समाप्त कर देने का प्रयास किया। दलित संजय कुमार ने मांग किया है कि दोषी के विरुद्ध समुचित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कराकर न्याय दिलाया जाय।

अनुराग जिलाध्यक्ष, जीशान हैदर रिजवी महामंत्री बने

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट बस्ती इकाई का गठन गुरुवार को प्रेस क्लब के समागार में प्रदेश सचिव जयन्त कुमार मिश्र के नेतृत्व में किया गया जिसमें वरिष्ठ पत्रकार स्कन्द कुमार शुक्ल को संरक्षक, अनुराग कुमार श्रीवास्तव को जिलाध्यक्ष, जीशान हैदर रिजवी को महामंत्री, पत्रकार विपिन बिहारी त्रिपाठी को संयोजक, लवकुश सिंह को कोषाध्यक्ष, जयप्रकाश उपाध्याय, दिनेश पाण्डेय, देवन्द्र पाण्डेय, मनोज यादव, हरिओम लल्ला को उपाध्यक्ष, आशुतोष नरायन मिश्र, राकेश गिरि, सत्येन्द्रनाथ श्रीवास्तव,, अमरसोनी, राहुल पटेल को संगठन मंत्री तथा तवरेज आलम, सर्वेश श्रीवास्तव, आलोक श्रीवास्तव, विशाल पाण्डेय, अनिल पाण्डेय, प्रवीण कुमार पाण्डेय, शहशांह आलम, अनिल श्रीवास्तव, गौरव श्रीवास्तव, धर्मेन्द्र पाण्डेय, अरून कुमार, विवेक त्रिपाठी, संतोष श्रीवास्तव, राहुल श्रीवास्तव, आनन्द गुप्ता, अतुल मिश्र, अशुल आनन्द को कार्यकारिणी सदस्य नामित किया गया है। उपज की बस्ती इकाई की गठन पर प्रेस क्लब अध्यक्ष विनोद कुमार उपाध्याय, प्रेस क्लब महामंत्री महेन्द्र तिवारी ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

रामनगर खण्ड विकास अधिकारी ने संभाला कार्यभारः कर्मचारियों ने किया स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गुरुवार को उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के प्रान्तीय उपाध्याय राजेश कुमार के संयोजन में रामनगर के नवागत खण्ड विकास अधिकारी गणेश शुक्ल का बुके देकर स्वागत किया गया। इसके साथ ही उन्हें विकास खण्ड के कर्मचारियों की समस्याओं से अवगत कराया गया। गणेश शुक्ल ने कहा कि उनका प्रयास होगा कि आपसी समन्वय से स्थानीय समस्याओं का हल निकाला जाय।

स्वागत करने वालों में एडीओ पंचायत शिवकुमार लाल, ग्राम विकास अधिकारी आदर्श कुमार, ग्राम पंचायत अधिकारी विजय कुमार चौधरी, प्रमोद कुमार, जयन्त प्रसाद, रामतीरथ, लवकुश, हरीराम, रामकिशुन, राजकुमार, धर्मराज, त्रिभुवन प्रसाद, तुलसीराम, दिनेश कुमार आदि शामिल रहे।

नीट परीक्षा परिणाम बेवसाइट पर अपलोड करने का आदेश

नई दिल्ली (आभा)। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने गुरूवार को फिर नीट–यूजी परीक्षा में पेपर लीक और अन्य धांधली समेत परीक्षा रद्द कराने की मांग से जुड़ी याचिकाओं पर एकसाथ सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने एनटीए को हरेक केंद्र का अलग–अलग परीक्षा परिणाम बेवसाइट पर अपलोड करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि शनिवार की दोपहर 12 बजे तक एनटीए केंद्रवार पूरा परीक्षा परिणाम वेबसाइट पर अपलोड करे।

सुनवाई के दौरान कोर्ट में गर्मागरम बहस हुई। इस दौरान चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने इस बात पर अचरज जताया कि 45 मिनट के अंदर 180 सवाल कैसे हल किए गए। दरअसल, वह जानना चाहते थे कि पेपर लीक परीक्षा शुरू होने से कितनी देर पहले हुआ था। मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़, जस्टिस जे बी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ यह जानने की कोशिश कर रही है कि पेपर लीक कब हुआ? और पेपर लीक और परीक्षा शुरू होने के बीच के गैप में क्या पेपर ज्यादा से ज्यादा लोगों तक सर्कुलेट तो नहीं हुआ। कोर्ट अब 22 जुलाई को नीट–यूजी 2024 विवाद से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई फिर से शुरू करेगा।

बाप कबाडी, मां ने जेवर बेचें तो बेटा बन गया भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक

–दिनेश चन्द्र गौतम की सफलता से खुशी की लहर

बस्ती। घोर गरीबी के बीच संतकबीर नगर जनपद के सेमरियावां विकास खण्ड के करमा खान निवासी दिनेश चन्द्र गौतम का चयन भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (बीएआरसी) में वैज्ञानिक पद पर हुआ है। भीम आर्मी बस्ती के पूर्व मण्डल महासचिव मूल चन्द आजाद और भीम पाठशाला समिति के अध्यक्ष रामशंकर आजाद और राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने दिनेश चन्द्र गौतम के घर पहुंचकर फूल मालाओं के साथ स्वागत कर हौसला बढाया।

भीम आर्मी बस्ती के पूर्व मण्डल महासचिव मूल चन्द आजाद ने यहां जारी विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि दिनेश चन्द्र गौतम के पिता रजई कबाडी का काम करते थे और मां, भाई मजदूरी कर घर चलाते थे। अपनी कड़ी मेहनत और लगन के बल पर उसने मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय गोरखपुर से बीटेक किया और अपने घर से ही तैयारी करने के साथ–साथ इच्छुक बच्चों को निःशुल्क शिक्षा भी देता रहा। दिनेश चन्द्र गौतम के सपनों को पूरा करने के लिये मां और भाभी ने अपना जेवर तक बेच दिया।

दिनेश चन्द्र गौतम की सफलता से पूरे गांव में खुशी का माहौल है। उसकी सफलता पर एडवोकेट विक्रम गौतम, मंगल सिंह राव, वृजभान बौद्ध, रामाज्ञा चौधरी, प्रवीन राना, सुगन्ध बौद्ध, राकेश कुमर, सुशील बाबा, सुनील चौधरी आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

भारतविकास परिषद एक सांस्कृतिक आंदोलन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारत विकास परिषद विशिष्ट शाखा के स्थापना दिवस समारोह गोरक्ष प्रांत के प्रथम विकास रन का सम्मान समारोह और नए सदस्यों के परिचय सत्र कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉक्टर पीएन सिंह उपाध्यक्ष पर्यावरण प्रांत डॉ डीके गुप्ता अध्यक्ष विशिष्ट का आशीष श्रीवास्तव सचिव डॉक्टर कृष्ण कुमार कोषाध्यक्ष प्रमोद तिवारी के नेतृत्व में आयोजित किया गया । कार्यक्रम की शुरुआत मंच आपूर्ति के बाद वंदे मातरम से हुई भारत माता और विवेकानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन अतिथियों द्वारा किया गया सत्या द्वारा दीप मंत्र पढ़ा गया मंच का संचालन सचिव डॉ कृष्ण कुमार द्वारा किया गया ।

शाखा के अध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव ने कहा भारत विकास परिषद एक सेवा एवं संस्कार–उन्मुख अराजनैतिक, सामाजिक–सांस्कृतिक स्वयंसेवी संस्था है जो स्वामी विवेकानंद जी के आदर्शों को अपनाते हुए मानव–जीवन के सभी क्षेत्रों जैसे संस्कृति, समाज, शिक्षा, नीति, अध्यात्म, राष्ट्रधर्म आदि में भारत के सर्वांगीण विकास के लिये समर्पित है। इसका लक्ष्यवाक्य है स्वस्थ समर्थ, संस्कृत भारत है मुख्य अतिथि डॉ

पीएन सिंह ने अपने संबोधन में कहा स्वामी विवेकानन्द के जन्मशताब्दी के अवसर पर १२ जनवरी सन् १९६३ को भारत के प्रमुख उद्योगपतियों एवं समाज–सुधारकों जैसे– लाला हंसराज, डॉ सूरज प्रकाश आदि द्वारा नागरिक समिति की स्थापना की गयी थी ताकि चीनी आक्रमण का प्रतिकार किया जा सके। बाद में इसी का नाम भारत विकास परिषद रखा गया।

गोरक्ष प्रांत के प्रथम विकास रतन डॉक्टर डीके गुप्ता ने संबोधित करते हुए कहा हम सभी सम्मिलित रूप से समग्र प्रयास करेंगे और विवेकानंद जी की दिव्य दृष्टि हमें अवलोकित कर रही है और हम संकल्पित होते हुए भारत विकास परिषद के उद्देश्यों की पूर्ति करेंगे । सचिव डॉक्टर कृष्ण कुमार ने मंच संचालन के साथ–साथ अपने संबोधन में कहा संस्कार योजना के द्वारा बच्चों, युवाओं, परिवार, वरिष्ठ नागरिक के लिए विकास कार्यक्रम चलाती है। जिसमे प्रमुख है– बाल संस्कार शिविर, राष्ट्रीय संस्कृत गीत प्रतियोगिता, भारत को जानो, युवा संस्कार शिविर, परिवार संस्कार शिविर, आदि. कोषाध्यक्ष प्रमोद तिवारी ने संबोधित करते हुए कहा कार्यक्रम शेड्यूल के अनुसार कार्यक्रम आयोजित कराए जाएंगे और हम सभी मिलकर अंतर लाने वाले कार्यों को सृजित करेंगे ।

भारत विकास परिषद एक संस्था है जो संपर्क से अभिसिंचित है महिला संयोजिका डॉ शिवा त्रिपाठी ने काव्य पाठ कर आए हुए सभी सदस्यों में ऊर्जा भरने का कार्य किया प्रस्तुत की गई काव्य रचना से राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी का भाव जाग गया शास्त्रीय नृत्य का प्रस्तुतीकरण ममता पांडे द्वारा किया गया जिन्हें डॉ निधि गुप्ता द्वारा सम्मानित किया गया सांस्कृतिक कार्यक्रम की श्रृंखला में अर्चना श्रीवास्तव द्वारा काव्य पाठ प्रतिमा श्रीवास्तव द्वारा काव्य पाठ और शिव त्रिपाठी द्वारा काव्य पाठ प्रस्तुत किया गया आज के इस कार्यक्रम में सभी सदस्यों को मोमेंटो देकर स्वागत किया गया ।

कार्यक्रम में राकेश पांडे कुलदीप सिंह, उमंग शुक्ला, नीरज, सर्वेष्ट मिश्रा, जितेंद्र यादव, मनमोहन श्रीवास्तव, डॉ एसके त्रिपाठी, मयंक श्रीवास्तव, विमल आनंद राजकांत, दिनेश श्रीवास्तव मास्टर साहब, अजय श्रीवास्तव, मनोज यादव, रामकमल सिंह, श्री लखमानी, लक्ष्मी अरोड़ा, प्रतिमा श्रीवास्तव, अंगद प्रसाद पांडे, अर्चना श्रीवास्तव, स्वप्निल श्रीवास्तव सैयम अरोड़ा, जयप्रकाश श्रीवास्तव, राजीव सिंह, रामकुमार वर्मा, संध्या दिक्षीत, सत्या पांडे, कृष्ण कुमार भारती, सचिन शुक्ला, हर्षित श्रीवास्तव, बैजनाथ गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

अखिलेश यादव का मानसून आफर 100 विधायक लाओ, सरकार बनाओ

लखनऊ (आभा)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर की गई एक पोस्ट ने हलचल मचा दी है। उन्होंने ऑफर दिया है कि 100 विधायक लेकर आओ... मुख्यमंत्री बनने के लिए सपा समर्थन देगी।

राजनीतिक सूत्रों के अनुसार, अगर भाजपा में कोई भी नेता 100 विधायकों का समर्थन जुटा लेता है तो सपा मुख्यमंत्री पद के लिए उसे समर्थन दे सकती है। इसे उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से जोड़कर देखा जा रहा है।

इसके साथ ही तरह–तरह की राजनीतिक चर्चाओं के बीच दिल्ली से केशव के लखनऊ लौटने पर अखिलेश ने कटाक्ष भी किया है– लौट के बुद्धू घर को आए।

यहां बता दें कि केशव प्रसाद मौर्य ने भी बुधवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर एक्स के जरिये हमला बोलते हुए उन्हें सपा बहादुर की संज्ञा देते हुए कहा था कि यूपी और केंद्र दोनों ही जगह मजबूत सरकार है। 2017 की तरह 2027 में भी हम यूपी में सरकार बनाएंगे। उन्होंने सपा के पीडीए को धोखा करार दिया था।

84 कोसी परिक्रमा मार्ग के भूमि मुआवजा की विसंगति दूर करने की मांग :भाजपा नेता चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा' ने सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी नेता चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा' ने गुरुवार को जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि 84 कोसी परिक्रमा मार्ग के अन्तर्गत आने वाले गांव के अधिग्रहित की जाने वाली जमीनों के मुआवजा विसंगति को दूर किया जाय।

ज्ञापन में कहा गया है कि वर्तमान में 84 कोसी परिक्रमा मार्ग के निर्माण हेतु अधिग्रहीत की जाने वाली जमीनों के मुआवजा राशि में काफी विसंगतियां है जिसको लेकर समय समय पर ग्रामीणों ने शिकायत दर्ज कराते हुए विसंगतियों को दूर कर मुआवजा राशि में सुधार करने की मांग किया। आज तक कोई सुनवाई नहीं हुई इसी क्रम में ग्राम गर्भपुर, पोस्ट विशेषरगंज, तहसील हर्रैया,जनपद बस्ती के भी किसानों ने 03 / 03 / 2024 व 07 / 07 / 2024 को विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी को प्रार्थना पत्र के माध्यम से बताया कि उक्त मार्ग पर उनके गांव के पहले व बाद में आने वाले गांव कुकुरीपुर व पूरेझरिहर में सड़क के किनारे के जमीन का मुवावजा 54 लाख हेक्टेयर व उसके बाद की जमीनों का मुवावजा 34 लाख

हेक्टेयर निर्धारित है जबकि गर्भपुर के सभी जमीनों का मुवावजा 34 लाख हेक्टेयर ही रखा गया है जो विभेद पूर्ण कृत्य है। इतना ही नहीं उन जमीनों में आने वाले मकानों व वृक्षों का भी मालियत नहीं दिया जा रहा है। वर्तमान में केन्द्र व प्रदेश की भाजपा सरकार बिना किसी भेद के सबका साथ सबका विकास के लक्ष्य पर काम कर रही है किन्तु कुछ अधिकारियों कर्मचारियों के इस विभेद पूर्ण कृत्य व कार्य शिथिलता से सरकार की छवि धूमिल होती है और जनता को न्याय के लिये दर दर भटकना पड़ता है।

सुदामा पाण्डेय ने मांग किया कि सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए तत्काल मुवावजा निर्धारण में बरती जा रही अनियमितता को दूर कराते हुए गर्भपुर के किसानों को न्याय दिलाया जाय और उक्त जमीन में बने मकानों व लगे वृक्षों का भी प्रतिपूर्ति दिलाया जाय।

ज्ञापन सौंपने वालों में हनुमत प्रसाद पाठक, सूबेदार, बब्लू, बजरंग प्रसाद पाठक, अर्जुन, श्यामू, रामू, शिवकुमार, श्रीराम, अखिलेश भारती, छोटेलाल, ब्रिजकान, नोहार, ओम प्रकाश, पारसनाथ, उमेश कुमार, विजय कुमार, आनन्द राज, राहुल, रामकुमार, अर्जुन, संतराम, रामू, शिवा, श्यामू, करन, उमेश भारती, ममता भारती के साथ ही अनेक लोग शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक भारतीय बस्ती
बस्ती 19 जुलाई 2024 शुक्रवार

सम्पादकीय

यूपी की सियासी उथल पुथल

उत्तर प्रदेश में भाजपा के भीतर से ही जिस प्रकार से प्रतिक्रियायें सामने आ रही है उससे स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ की कुर्सी पर खतरे के बादल मड़रा रहे हैं। योगी के बाद कौन पर भले ही खामोशी हो किन्तु समाजवादी पार्टी मुखिया अखिलेश यादव ने एक्स पर यह कहकर कि मानसून आफर, 100 विधायक लाओ, सरकार बनाओ' सियासी हलचलों को और गति दे दिया है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य कितना प्रभावी होंगे इसके लिये तो इंतजार करना होगा किन्तु संशय के बादल बने हुये हैं। यह स्थितियां उत्तर प्रदेश की जनता के लिये शुभ नहीं है।

सच तो ये है कि हालिया लोकसभा चुनावों में प्रभावशाली प्रदर्शन के कुछ ही समय बाद सात राज्यों में हुए विधानसभा उपचुनावों में इंडिया ब्लॉक अपनी कामयाबी से खासा उत्साहित है। विपक्षी गठबंधन में शामिल दलों ने तेरह में से दस सीटें जीत ली हैं। जहां कांग्रेस ने चार सीटें जीती हैं, वहीं पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने भी चार सीटें जीती हैं। पंजाब में आम आदमी पार्टी ने जालंधर पश्चिम सीट जीती है तो डीएमके ने तमिलनाडु में विक्रवंडी निर्वाचन क्षेत्र में जीत दर्ज की है। भाजपा को हिमाचल प्रदेश व मध्यप्रदेश में एक—एक सीट मिली है तो बिहार में एक निर्दलीय जीता है। हालांकि, यह एक हकीकत है कि देश में लोकसभा व विधानसभा चुनावों में मतदाता अलग—अलग पैटर्न से वोट देता है। तमाम स्थानीय मुद्दे भी विधानसभा चुनाव में असर डालते हैं। लेकिन फिर भी चुनाव परिणामों की स्थिति को देखते हुए भाजपा आत्ममंथन के लिये मजबूर जरूर होगी। इसकी एक वजह यह भी है कि इस साल के अंत तक जहां हरियाणा, महाराष्ट्र व झारखंड में विधानसभा चुनाव होने हैं, वहीं उत्तर प्रदेश में भी दस विधानसभा क्षेत्रों में भी उपचुनाव होने हैं। भाजपा के लिये चिंता की बात यह भी होगी कि जिस उत्तराखंड में उसकी सरकार है और हालिया लोकसभा चुनाव में पार्टी ने शानदार प्रदर्शन किया था, वहां दो विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनावों में वह क्यों हारी। वहीं दूसरी ओर उत्तराखंड व हिमाचल की जीत कांग्रेस का मनोबल बढ़ाने वाली है क्योंकि लोकसभा चुनाव में उसे दोनों राज्यों में भाजपा के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। पंजाब में आम आदमी पार्टी राज्य में सरकार होने के बावजूद लोकसभा चुनाव में तेरह में सिर्फ तीन सीटें जीत पायी थी। मुख्यमंत्री भगवंत मान के लिये यह राहत की बात होगी कि उनकी पार्टी ने उपचुनाव में सफलता हासिल की है। दूसरी ओर हिमाचल में भी मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू राहत की सांस ले सकते हैं कि चुनाव परिणामों के बाद उनकी सरकार सुरक्षित हो गयी है।

बहरहाल, पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणामों ने बता दिया कि पश्चिम बंगाल में दीदी का ही एकछत्र राज्य चलेगा। राज्य में टीएमसी ने चार सीटें जीती हैं और तीन सीटें भाजपा से छीनी हैं। वहीं तमिलनाडु में सत्तारूढ़ डीएमके ने भी अपनी स्थिति को मजबूत कर लिया है। बहरहाल, केंद्र में गठबंधन सरकार बनाने के तुरंत बाद आए उपचुनावों के नतीजे निस्संदेह भाजपा को असहज करने वाले ही हैं। वहीं संसद के हालिया सत्र में दमदार उपस्थिति दर्ज कराने वाले पुनर्जीवित विपक्ष के लिये उपचुनाव के नतीजे ऊर्जा बढ़ाने वाले ही कहे जा सकते हैं। हालांकि, विपक्षी खेमे के लिये यहां आत्मसंतुष्टि की गुंजाइश ज्यादा नहीं है क्योंकि भाजपा भारी बाधाओं के बावजूद चुनाव जीतने का दमखम जरूर रखती है। बहरहाल, यह भाजपा के लिये भी ईमानदारी से आत्ममंथन करने का वक्त है ताकि उसे पता हो सके कि पार्टी की नीतियों में कहां चूक हो रही है। साथ ही यह भी कि उसमें कैसे सुधार किया जा सकता है। बहरहाल, इन चुनाव परिणामों का एक पहलू यह भी है कि मतदाताओं ने उत्तराखंड, हिमाचल व पंजाब में दलबदल करने वाले नेताओं को सबक भी सिखाया है। उत्तराखंड की चर्चित बद्रीनाथ सीट को कांग्रेस बचाने में कामयाब रही है। उसके सिटिंग एमएलए ने पाला बदलकर भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था, लेकिन इस बार जनता ने उन्हें नकार दिया। हिमाचल प्रदेश में रोचक परिदृश्य उभरा है जहां देहरा सीट पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू की पत्नी चुनाव जीत गई हैं। प्रदेश में यह पहली बार होगा कि मुख्यमंत्री व उनकी पत्नी सदन में एक साथ होंगे। वहीं अब चालीस विधायक होने से सुक्खू सरकार पर बना वह संकट टल गया, जो कुछ माह पूर्व राज्यसभा चुनाव के वक्त पैदा हो गया था। हां, इतना जरूर है कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस के दिग्गज नेता का गढ़ माने जाने वाले छिंदवाड़ा की अमरवाड़ा सीट भाजपा ने छीन ली है। बहरहाल, हरियाणा, महाराष्ट्र व झारखंड के आसन्न विधानसभा चुनाव व यूपी के उपचुनावों के दृष्टिगत हालिया उपचुनाव परिणाम भाजपा को विचलित करने वाले जरूर हैं। बहरहाल उत्तर प्रदेश की राजनीति ने वातावरण को अजीब बना दिया है।

असली बनाम नकली केदारनाथ धाम

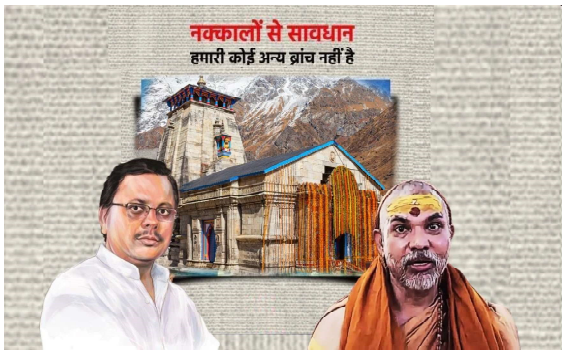

—अभिनव आकाश—

दिल्ली में केदारनाथ बनाने और हिमालय की गोद में बसे केदारनाथ मंदिर में घोटाले का विवाद क्या है और अब इस सब पर सरकार का क्या कहना है। एक—एक कर हर चीज विस्तार से समझते हैं। 'नक्कालों से सावधान, हमारी अन्य कोई शाखा नहीं है' पहले इस तरह के प्रचार सिर्फ नकली प्रॉडक्ट से बचने के लिए निकलता था। अब समय बहुत बदल गया है। लेकिन क्या हो जब बदलते वक्त के साथ आस्था के नाम पर भी डुप्लीकेसी होने लगे। उत्तराखंड में केदारनाथ मंदिर है ये तो आप सभी को पता है। अब ठीक वैसा ही केदारनाथ मंदिर दिल्ली में बनाने की तैयारी हो रही है। केदारनाथ का डुप्लीकेट बनाए जाने से साधु—संत और शंकराचार्य नाराज है। अब तो आंदोलन की धमकी तक दी जाने लगी है। दिल्ली में केदारनाथ बनाने और हिमालय की गोद में बसे केदारनाथ मंदिर में घोटाले का विवाद क्या है और अब इस सब पर सरकार का क्या कहना है। एक—एक कर हर चीज विस्तार से समझते हैं।

केदारनाथ पर बवाल क्यों?

ऊंची पहाड़ियों के बीच में बसा है भगवान भोलेनाथ का पवित्र केदारनाथ धाम। ये भव्य मंदिर उत्तराखंड के रूद्रप्रयाग में है। केदारनाथ से मिलता—जुलता मंदिर देश की राजधानी दिल्ली में भी बनाने की तैयारी हो रही है। मंदिर का मॉडल देखने में बिल्कुल केदारनाथ मंदिर जैसा ही है। मंदिर का डिजाइन और रंग भी उत्तराखंड के केदारनाथ धाम के तरह का ही होगा। मजे की बात ये है कि इस मंदिर का नाम भी केदारनाथ धाम रखने का प्रस्ताव है। इसे दिल्ली के बुराड़ी इलाके में बनाया जा रहा है। डुप्लीकेट केदारनाथ धाम का भूमि पूजन भी हो चुका है। 10 जुलाई को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, केंद्रीय सड़क परिवहन राज्य मंत्री अजय टम्टा, कई सांसद और साधु संतों की मौजूदगी में बुराड़ी स्थित मंदिर का भूमि पूजन किया गया है।

शिलान्यास कर फंस गए धामी?

दिल्ली में बनने वाले केदारनाथ मंदिर को लेकर उत्तराखंड में गुस्सा है। उत्तराखंड में केदारनाथ धाम मंदिर के बाहर मंदिर के पुजारी, स्थानीय लोग और व्यापारी दिल्ली में केदारनाथ धाम बनाए जाने के विरोध में हैं। ये शायद पहला ऐसा मौका होगा जब केदारनाथ में इस तरह की नारेबाजी देखने को मिली है। केदारनाथ के पुरोहितों ने चेतावनी दी है कि अगर दिल्ली में केदारनाथ धाम का निर्माण नहीं रुका तो पूरी केदारघाटी में आंदोलन होगा। दिल्ली में केदारनाथ जैसा मंदिर बनाए जाने पर शंकराचार्य भी गुस्से में है। दिल्ली में भूमि पूजन में शामिल होने के बाद से उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी निशाने पर हैं। अब उन्होंने सफाई दी है कि केदारनाथ जैसा मंदिर बनने से केदारनाथ धाम की आस्था कम नहीं होगी।

जो केदारनाथ अपने इतिहास, पौराणिक कथाओं, ऊंचे पर्वतों से गूंजती मंदिर की घंटियों के लिए जाना जाता था। इन दिनों वहीं से विरोध प्रदर्शन की आवाज आ रही है। इस विरोध में आम लोग ही नहीं बल्कि मंदिर के पुरोहित और पुजारी भी शामिल हैं। अभी ये शोर थमा भी नहीं था कि ज्योति मठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद की भी नाराजगी सामने आ गई। उन्होंने केदारनाथ मंदिर में सोना घोटाला का आरोप लगाते हुए कहा कि मीडिया ये क्यों नहीं दिखा रहा है। केदारनाथ में सोने का घोटाला हुआ है, उस मुद्दे को क्यों नहीं उठाया जाता? वहां घोटाला करने के बाद अब दिल्ली में केदारनाथ का निर्माण होगा और फिर एक और घोटाला होगा। केदारनाथ से 228 किलो सोना गायब है। कोई जांच शुरू नहीं हुई। इसका जिम्मेदार कौन है?

शंकराचार्य जिस सोना घोटाले का जिक्र कर रहे हैं वो मामला जून 2023 में चर्चा में आया था। केदारनाथ मंदिर के वरिष्ठ पुजारी संतोष त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि मंदिर के गर्भगृह की दीवारों पर 125 करोड़ रुपए का सोना मढ़वाया गया था। किसी दानदार ने ये सोना दान किया था। सन 2005 में ये मंदिर के गर्भगृह में लगाया गया था। लेकिन अब वो सोना पीतल में बदल गया। उन्होंने श्री बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अधिकारियों पर इसका आरोप लगाया। वहीं बीकेटीसी ने इन आरोपों को निराधार बताया। उनका कहना था कि ये मंदिर प्रबंधन को बदनाम करने की साजिश है। इसमें शामिल लोगों के खिलाफ लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे।

दिल्ली के बुराड़ी में तीन एकड़ में केदारनाथ धाम मंदिर बनाया जाना है। इसके लिए बकायदा एक ट्रस्ट भी बनाया गया है। ट्रस्ट का दावा है कि देश में पहले से केदारनाथ और बद्रीनाथ से मिलते जुलते मंदिर बने हुए हैं। इंदौर में केदारनाथ से मिलता जुलता पंडाल बनाया गया था। लेकिन वो अस्थाई था। वहीं मुंबई में बद्रीनाथ मंदिर के तर्ज पर एक मंदिर बनाया गया है। लेकिन ये पंडाल नहीं बल्कि एक मंदिर है। ट्रस्ट का दावा है कि देश में जब पहले से ही केदारनाथ—बद्रीनाथ मंदिर जैसे मिलते जुलते मंदिर है तो दिल्ली वाले मंदिर को लेकर आपत्ति क्यों है? ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेंद्र रौतेला का कहना है कि दिल्ली में बनने वाला केदारनाथ मंदिर एक मंदिर है, कोई धाम नहीं है। उत्तराखंड सरकार का इससे कोई लेना—देना नहीं है। मंदिर के भूमि पूजन के लिए हमारे अनुरोध पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आए। मंदिर ट्रस्टियों के सहयोग से बनाया गया है और उनमें से कई उत्तराखंड के हैं।

संविधान के प्रति ईमानदारी जरूरी

—विश्वनाथ सचदेव—

पता नहीं देश में कितने लोग यह जानते—समझते हैं कि विभाजन विभीषिका का दिवस क्या है, पर यह बात अपने आप में दिलासा देने वाली है कि आजादी पाने और देश के विभाजन के 77 साल बाद हम उस विभाजन की विभीषिका को याद कर रहे हैं। उसी तरह अब हमारी सरकार ने एक और दिन को याद रखने का उपक्रम किया है। 25 जून, 1975 को देश में आपातकाल लागू करके हमारे जनतंत्र के इतिहास में एक काला अध्याय जोड़ा गया था। कारण कुछ भी बताये गये हों, पर देश को बहुत जल्दी ही यह अहसास हो गया था कि उस आपातकाल की घोषणा उन सारे मूल्यों को नकारने वाली थी जिनके आधार पर हमारे संविधान—निर्माताओं ने हमें एक जनतांत्रिक संविधान दिया था। हालांकि दो साल बाद यह आपातकाल उठा लिया गया था और एक बार फिर देश खुली हवा में सांस लेने लगा था, लेकिन यह जरूरी है कि उस दिन को भूला न जाये जिस दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री ने शासन के सारे अधिकार अपने हाथ में लेकर एक तानाशाही व्यवस्था को देश के ऊपर लाद दिया था। न भूलने का कारण यह है कि हम इस बात के प्रति जागरूक रहें कि फिर कोई शासक तानाशाही को लादने की कोशिश न करे।

अब हमारी सरकार ने एक और दिवस मनाने की घोषणा कर दी है। राजपत्र में बाकायदा कहा गया है कि जिस दिन आपातकाल घोषित किया गया था यानी 25 जून को देश के संविधान की हत्या दिवस रूप में मनायेगा। यह सही है कि 25 जून, 1975 को देश में आपातकाल लागू करके संविधान के आधार पर चोट की गयी थी, पर यह भी सही है कि दो साल बाद ही, यानी 1977 में जय प्रकाश नारायण के नेतृत्व में देश ने ऐसी व्यवस्था को देश में फिर से लागू कर दिया था। जिसमें कोई शासक आपातकाल जैसी कार्रवाई न कर सके।

बहरहाल, तब आपातकाल लागू करके देश के लाखों लोगों को जेल में डालने वाली प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपनी भूल स्वीकारते हुए आपातकाल को हटाकर देश में फिर से चुनाव कराये थे। उन्होंने अपनी इस गलती के लिए खेद भी जताया था। बाद में कांग्रेस सरकार के एक प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने भी उस कुकृत्य के लिए देश से क्षमा मांगी थी। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता श्रीमती सोनिया गांधी ने भी इस क्षमा को दुहराया था और अब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी अपनी दादी द्वारा उठाये गये उस कदम को 'बिल्कुल गलत' बताया है। इस सब को याद करने का अर्थ यह है कि अब उस आपातकाल के लिए किसी को दोषी ठहराकर राजनीतिक लाभ उठाने का प्रयास करना बेमानी है। कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं समेत हर भारतीय को अब इस बात के लिए जागरूक रहना है कि फिर कभी ऐसी स्थितियां न बन सकें, फिर कोई शासक दुस्साहस न करे कि आपातकाल जैसा कुछ हमारे जनतांत्रिक देश में सिर उठा सके। इसके लिए जरूरी है आपातकाल को याद रखा जाये। इसीलिए हर 25 जून को देश के जागरूक नागरिक आपातकाल को याद करते हैं।

यही तर्क विभाजन की विभीषिका को याद करने के संदर्भ में भी लागू किया जा सकता है। याद रखा जाना चाहिए उस विभीषिका को याद रखने का मतलब यह है कि हम उन स्थितियों के प्रति सावधान रहें जिनके चलते देश ने विभाजन की विभीषिका को सहा था। हमारी सरकार ने इसी उद्देश्य से स्वतंत्रता दिवस अर्थात् 15 अगस्त से एक दिन पहले विभाजन विभीषिका का दिवस मनाने की घोषणा कर दी थी। अब यदि इसमें सत्तारूढ़ दल के राजनीतिक स्वार्थों की गंध आती है तो उसे भी बेबुनियाद नहीं कहा जा सकता। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाने का मतलब ही यह है कि हम अपनी गुलामी से जुड़ी यादों को ताजा करके संकल्पित हों कि अब हमारा देश कभी गुलाम नहीं बनेगा, हम उन ताकतों को सिर नहीं उठाने देंगे जो धर्म और जाति के नाम पर देश को, समाज को, बांटने की नापाक कोशिश करेंगी।

अब हमारी सरकार ने एक और दिवस मनाने की घोषणा कर दी है। राजपत्र में बाकायदा कहा गया है कि जिस दिन आपातकाल घोषित किया गया था यानी 25 जून को देश के संविधान की हत्या दिवस रूप में मनायेगा। यह सही है कि 25 जून, 1975 को देश में आपातकाल लागू करके संविधान के आधार पर चोट की गयी थी, पर यह भी सही है कि दो साल बाद ही, यानी 1977 में जय प्रकाश नारायण के नेतृत्व में फिर से ऐसी व्यवस्था को देश में फिर से लागू कर दिया था। जिसमें कोई शासक आपातकाल जैसी कार्रवाई न कर सके। आवश्यकता इस तथ्य को रेखांकित करने की है कि हमारे देश में वह ताकत है जो आपातकाल जैसी स्थितियों को बदल सकती है। इसके लिए संविधान की हत्या जैसे अध्याय को नहीं, संविधान की रक्षा कर पाने के अध्याय को याद रखना जरूरी है।

तब जयप्रकाश नारायण ने 'सिंहासन खाली करो कि जनता आती है' का जयघोष दिया था। आपातकाल की घोषणा तानाशाही की 'विजय' थी तो देश में फिर से चुनाव होना जनतांत्रिक ताकतों की विजय की गाथा के रूप में याद किये जाने का अध्याय है। यह अध्याय देश की जनता को जगाने का भी था और यह बतलाने वाला भी कि तानाशाही इस देश के डीएनए में नहीं है। समता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुता के चार स्तंभों पर खड़ा हमारे संविधान का यह महल जनतंत्र में हमारी गहरी आस्था का प्रतीक है। आज जनतंत्र की कथित हत्या की याद नहीं, जनतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों को अपने भीतर जिलाये रखने की आवश्यकता है।

हाल ही में हुए आम चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले 'इंडिया' गठबंधन ने संविधान की रक्षा का मुद्दा उठाया था। आरोप यह था कि भारतीय जनता पार्टी हमारे संविधान के बुनियादी मुद्दों को बदलना चाहती है। चुनाव परिणाम बताते हैं कि मतदाता को इस आरोप में कुछ सचाई लगी और उसने अपने वोट की ताकत से यह स्पष्ट कर दिया कि जनतांत्रिक मूल्यों में इस देश की निष्ठा बहुत गहरी है। आज देश में स्थिति यह बनी है कि कोई भी राजनीतिक दल या गठबंधन अपनी मनमानी से हमारे संविधान के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता। लेकिन ऐसे में जनतंत्र की हत्या जैसा दिवस मनाने की बात कुछ हास्यास्पद—सी लगती है। आम चुनाव का परिणाम यह बताता है कि जब तक देश का मतदाता जागरूक है, हमारे संविधान की बुनियाद को हिलाने की हिम्मत कोई नहीं कर सकता। होना तो यह चाहिए था कि चुनाव परिणाम से शिक्षा लेकर हमारे राजनीतिक दल अपने गिरेबान में झांकते, पर हो कुछ और ही रहा है। 25 जून की तिथि को देश भूल नहीं सकता। उसे भुलाया भी नहीं जाना चाहिए। उसे याद रखकर इस आशय का संकल्प लेना चाहिए कि फिर कभी अजनतांत्रिक सोच को सर नहीं उठाने दिया जायेगा। संविधान का अपमान करने की छूट किसी को नहीं होगी। 25 जून, 1975 को हमारे संविधान की हत्या नहीं हुई थी। जनतांत्रिक मूल्यों में देश के विश्वास को चुनौती दी गई थी। हमने इस चुनौती को स्वीकारा, हराया भी। पिछली आधी सदी इस बात का प्रमाण है कि देश का नागरिक संविधान की रक्षा के प्रति जागरूक है। यह जागरूकता बनी रहे यह काम संविधान की हत्या जैसा दिवस बनाकर नहीं होगा, संविधान में अपनी आस्था को प्रमाणित करके ही होगा। प्रमाण इस बात से मिलेगा कि हम क्या सोचते—करते हैं, संविधान में वर्णित मूल्यों—आदर्शों के प्रति हम कितनी ईमानदारी से विश्वास करते हैं। सवाल सोच की ईमानदारी को बनाये रखने का है।

सैनिकों का बलिदान व्यर्थ न जाये

—ललित गर्ग

लगातार जम्मू—कश्मीर में बढ़ रही आतंकी घटनाएं चिन्ता का कारण बन रही है। डोडा जिले में एक आतंकी हमले में कैप्टन समेत सेना के चार जवानों और जम्मू कश्मीर के एक पुलिसकर्मी का बलिदान अब यही दर्शा रहा है कि शांति एवं अमन की ओर लौटा जम्मू—कश्मीर एक बार फिर आतंकवादी आघातकारी घटनाओं की भेंट चढ़ रहा है, इन घटनाओं का माकूल जबाव नहीं दिया गया तो यह घाटी एक बार फिर खूनी घाटी बन जायेगी। क्योंकि कुछ ही दिनों पहले कठुआ में एक सैन्य अफसर सहित पांच जवान आतंकियों का निशाना बन गए थे। इससे पहले भी जम्मू संभाग में ही सेना के कई जवान आतंकियों से लोहा लेते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दे चुके हैं। ये बहुत चिंतित करने वाले त्रासद एवं घिनौने घटनाक्रम हैं कि पिछले कुछ समय से कश्मीर घाटी के साथ—साथ जम्मू संभाग में भी आतंकियों की गतिविधियां बढ़ती जा रही हैं। हाल की कुछ घटनाओं से तो यह भी लगता है कि आतंकियों ने जम्मू संभाग को अपनी गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बना लिया है। एक ऐसे समय जब जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने की तैयारी हो रही है, तब आतंकियों का सक्रिय होना और सफलतापूर्वक अपने मनसूबों को कामयाब करना गंभीर चिंता का विषय है।

ज्यादा चिन्ताजनक यह है कि पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकी न केवल घुसपैठ कर रहे हैं, बल्कि अपनी गतिविधियों को अंजाम देने और इस क्रम में सेना को निशाना बनाने में भी सफल हो रहे हैं। सरकार को उन खूनी हाथों को खोजना होगा अन्यथा खूनी हाथों में फिर खुजली आने लगेगी। हमें इस काम में पूरी शक्ति और कौशल लगाना होगा। आदमखोरों की मांद तक जाना होगा। अन्यथा हमारी खोजी एजेंसियों एवं सेना की काबिलीयत पर प्रश्नचिन्ह लग जाएगा कि कोई दो—चार व्यक्ति कभी भी पूरे प्रांत की शांति और जन—जीवन को अस्त—व्यस्त कर सकते हैं, हमारी संवेदनाओं को झकझोर सकते हैं। संवेदनाओं एवं भावनाओं को झकझोर भी रहे हैं, जब आतंकवादी हमलों में शहीद जवानों के पार्थिव शरीर तिरंगे में लिपटे घर की ड्योढ़ी पर आते हैं तब कारुणिक माहौल को देखकर दिल दहल उठता है क्योंकि देश के लिए अपना सर्वोच्च लुटा देने वाला जवान किसी का बेटा, किसी का पति और किसी का पिता होता है। हर आंख में आंसू होते हैं। किसी की गोद, किसी की मांग सूनी हो जाती है। देशवासी सोचने को विवश हैं कि वे शोक संतप्त परिवार के साथ करुणा और पीड़ा को कैसे बांटें।

डोडा वारदात की जिम्मेदारी लेने वाले 'कश्मीर टाइगर्स' जैसे आतंकी संगठनों की ताजा बौखलाहट की एक बड़ी वजह जम्मू—कश्मीर में राजनीतिक प्रक्रिया की बहाली को लेकर बढ़ी सरगर्मी है। राज्य में लोकप्रिय सरकार के गठन के लिए अगले चंद महीनों में ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में, आतंकियों की बेचैनी समझी जा सकती है कि जिस तरह लोकसभा चुनाव में घाटी में लोग मतदान केंद्रों पर उमड़ पड़े और दशकों पुराना रिकॉर्ड टूटा, अगर विधानसभा चुनाव में लोगों का उत्साह और बढ़ा, तो जिन 'स्लीपर सेल्स' की बदौलत वे दहशत का अपना पूरा कारोबार चलाते हैं, वे भी मुख्यधारा के प्रति आकर्षित होकर, उनके खिलाफ हो सकते हैं। इसलिए उन्होंने घाटी के बजाय जम्मू संभाग में अपनी सक्रियता बढ़ाई है, ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित किया जा सके और सीमा पार के आकाओं से मदद हासिल करने का सिलसिला जारी रहे।

जम्मू—कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद हुए पहले लोकसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतदान से पाकिस्तान बौखलाया है। इसी का परिणाम है लगातार हो रहे आतंकी हमले। इन हमलों ने आंतरिक सुरक्षा के लिये नये सिरे से चुनौती पैदा की है। जम्मू में रियासी, कठुआ और डोडा के आतंकी हमले चिन्ता का बड़ा कारण बने है। जम्मू—कश्मीर का माहौल सुधरने के बाद वहां के बाजार, पर्यटक स्थल गुलजार हुए हैं और राज्य की अर्थव्यवस्था सुधर रही है। इसलिए देशद्रोही नहीं चाहते कि कश्मीर में शांति आए और वहां पर निर्वाचित सरकार काम करे। केन्द्र में गठबंधन वाली मोदी सरकार के सामने यह एक बड़ी चुनौती है। क्या इन आतंकी घटनाओं को केन्द्र सरकार ने गंभीरता से नहीं लिया है? जो सरकार पाकिस्तान में घुस कर बदला ले सकती है, वह सरकार अब तक शांत क्यों है? ऐसा क्यों हो रहा है, इसकी तह तक जाने की जरूरत है। आतंकी जिस तरह अपनी रणनीति बदलकर सुरक्षा बलों को कहीं अधिक क्षति पहुंचाने में समर्थ दिखने लगे हैं, वह किसी बड़ी साजिश का संकेत है।

मां के साथ सो रहे मासूम को दबोच ले गया भेड़िया, सुबह आधा खाया हुआ शव मिला

संवाददाता–बहराइच। हरदी थाना क्षेत्र में मां के साथ सो रहे दो वर्षीय मासूम बालक को बुधवार की देर रात भेड़िया उठा ले गया। परिजनों को जब भनक लगी तो उन्होंने ग्रामीणों के साथ मासूम की तलाश शुरू की। घंटो बाद बालक का आधा खाया हुआ क्षतविक्षत शव पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम मौके पर जांच पड़ताल में जुटी है। बहराइच वन प्रभाग के हरदी थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत सिकन्दरपुर के मजरा मक्कापुरवा निवासी अख्तर रजा (02) बुधवार की रात मां के साथ घर के बाहर सो रहा था। इस दौरान देर रात पहुंचा भेड़िया उसे दबोच ले गया। बच्चे के रोने की आवाज सुन पिता अली अहमद ने अन्य परिजनों के साथ उसका पीछा किया लेकिन भेड़िया अंधेरे का फायदा उठा का भाग गया। परिजन ग्रामीणों के साथ रात भर उसकी तलाश करते रहे। सुबह उसका शव गांव से कुछ दूरी पर पड़ा मिला। बालक का पेट से नीचे का हिस्सा भेड़िया खा चुका था। शव देख परिजनों में हड़कंप मच गया। वहीं, गांव में दहशत का माहौल है।

ग्रामीणों की सूचना पर वन क्षेत्राधिकारी मोहम्मद शाकिब टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल की। उन्होंने ग्रामीणों को सजग रहने को कहा। साथ ही पीड़ित परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए 5000 की सहायता राशि दी। वन क्षेत्राधिकारी ने बताया कि जल्द भेड़िए को पकड़ा जाएगा। साथ ही परिजनों को मुआवजा दिलाया जाएगा।

हादसे के बाद दो ट्रेनें हुई निरस्त, 16 के मार्ग बदले

संवाददाता–गोण्डा। चंडीगढ़–डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस (15904) हादसे के बाद दो यात्री ट्रेनों को निरस्त कर अन्य 16 का मार्ग परिवर्तित कर अयोध्या–मनकापुर मार्ग से चलाया जा रहा है। इस कारण गोंडा रेलवे स्टेशन पर बृहस्पतिवार को यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ी। सैकड़ों श्रद्धालु माता वैष्णो देवी जाने से वंचित रह गए। पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ डिवीजन के जनसंपर्क अधिकारी महेश गुप्ता ने बताया कि वैशाली, गोरखधाम, सप्तक्रांति, बिहार संपर्क क्रांति, सत्याग्रह, बांद्रा, कुशीनगर, बाघ, लखनऊ–बरौनी, लखनऊ–गोरखपुर इंटरसिटी, ग्वालियर–बरौनी सहित 16 ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन कर दिया गया। इन्हें गोंडा से बलरामपुर एवं मनकापुर से अयोध्या के रास्ते चलाया गया। गोंडा में हुए ट्रेन हादसे के बाद जिले से होकर छह ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। इसको लेकर पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन ने आदेश जारी कर दिया है। स्थानीय रेलवे स्टेशन पर अतिरिक्त प्रबंध किए गए हैं। साथ ही सतर्कता भी बढ़ा दी गई है।पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि 12555 गोरखपुर–बठिण्डा गोरखधाम एक्सप्रेस, 12553 सहरसा–नई दिल्ली वैशाली एक्सप्रेस, 15273 रक्सौल–आनन्द विहार टर्मिनस सत्याग्रह एक्सप्रेस, 19038 बरौनी–बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस, 22537 गोरखपुर–लोकमान्य तिलक टर्मिनस कुशीनगर एक्सप्रेस, 13019 हावड़ा–काठगोदाम बाघ एक्सप्रेस का मार्ग परिवर्तन किया गया है। इसे बढ़नी–गोंडा के रास्ते चलाया जाना है। ऐसे में यह ट्रेन गोंडा से होकर गुजरेगी। ट्रेनों के परिचालन के साथ ही स्टेशन पर चौकसी बढ़ाई गई है। रेलवे सुरक्षा बल को ट्रेनों के आवागमन के दौरान भीड़ को नियंत्रित करने को कहा गया है। वहीं, स्वास्थ्य सेवाओं को अलर्ट मोड पर रखा गया है। सीएमओ डॉ. मुकेश कुमार ने बताया कि डॉक्टरों की टीम व एंबुलेंस को तैयार कर दिया गया है।

प्रतिभा खोज परीक्षा के सफल छात्र पुरस्कृत:मिला पुरस्कार तो खिले चेहरे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गौतमबुद्ध मुराली देवी बालिका इण्टर कालेज गोटवा में प्रतिभा खोज परीक्षा वर्ष–2024 के सफल छात्र–छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि डिप्टी डायरेक्टर बागवानी मंगला प्रसाद त्रिपाठी ने छात्रों को पुरस्कृत कर उनका हौसला बढाया। कहा कि यह प्रतियोगिता का युग है। ऐसे आयोजनों से छात्रों को सीखने का अवसर मिलता है। विशिष्ट अतिथि रामपूरन चौधरी, प्रेक्सिस विद्यापीठ प्रवन्धक प्रशान्त पाण्डेय, ई. के.डी. पाण्डेय ने छात्रों का उत्साह बढाते हुये कहा कि वे निरन्तर सही दिशा में आगे बढे। डा. वी.के. वर्मा, डा. आलोक रंजन ने कहा कि प्रतिभा खोज परीक्षा छात्रों के लिये बड़ा अवसर है।

कार्यक्रम में मानसी गुप्ता, अदिति सिंह को प्रथम पुरस्कार साईकिल, द्वितीय पुरस्कार के रूप में अंश प्रजापति, अरनवसिंह को स्टडी टेबल, तृतीय पुरस्कार के रूप में रोहित यादव, विराट सिंह को आक्सफोर्ड शव्दकोश के साथ ही छात्रों में बैग, आदि का वितरण किया गया। कार्यक्रम में श्री जगदम्वा प्रसाद दुबे, जगनरायन वर्मा, गौरव कुमार पाण्डेय,कमलेश कुमार चौधरी, अपर्णा त्रिपाठी, अमरेश कुमार चौधरी उमेश चन्द्र शुक्ल, सुनीता वर्मा, उमेश भारतद्वाज, संकटा प्रसाद, आराधना पाण्डेय ज्योति त्रिपाठी, शीतल वर्मा, रंजना सोनी, हजरत अली, मंजू श्रीमती प्रमिला मिश्रा, सौम्या त्रिपाठी, संगीता प्रजापति, रितु गुप्ता, जगजीवन आदि ने योगदान दिया।

वसूली में तेजी लाकर लक्ष्य को पूरा करें अधिकारी –डीएम

संवाददाता–श्रावस्ती। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में वसूली से जुड़ सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों के साथ कर–करेत्तर एवं राजस्व वसूली की बैठक की गई। बैठक में वसूली में तेजी लाकर लक्ष्य को पूरा करने का निर्देश दिया गया।

जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने कहा कि राजस्व वसूली से ही सरकार की ओर से तमाम योजनाओं का संचालन किया जाता है। इसलिए सभी विभागीय अधिकारी विशेष रुचि लेकर राजस्व वसूली में तेजी लाएं और अपने लक्ष्यों को पूरा करें। समीक्षा के दौरान माह जून में नगर निकाय 37.38 प्रतिशत, वाणिज्य कर जीएसटी 40.33 प्रतिशत, वन 70.97 प्रतिशत व अलौह खनन 70 प्रतिशत की वसूली पाई गई। जो लक्ष्य से कम रहा। इस पर डीएम ने सम्बन्धित अधिकारियों को दायित्व बोध के साथ कार्य कर प्रत्येक दशा में शत–प्रतिशत वसूली कर लक्ष्य को पूरा करने का निर्देश दिया। बैठक में डीएम ने राजस्व वादों की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि जिले के बड़े बकायदारों से वसूली के लिए जो आरसी जारी हुई है, उसमें तेजी लाएं तथा इसके लिए अपर जिलाधिकारी समय–समय पर समीक्षा भी करते रहें। उन्होंने निर्देश दिया कि आय, जाति व निवास प्रमाण पत्र के आवेदन लम्बित न रहने पाए। समय से रिपोर्ट लगाकर प्रमाण पत्रों को जारी किया जाय। इस दौरान राजस्व वसूली, भूमि पट्टा आवेदन, किसान दुर्घटना बीमा, स्वामित्व योजना, खतौनी पुनरीक्षण आदि की भी समीक्षा की गई और सम्बन्धित अधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने को निर्देशित किया गया। बैठक में एडीएम अमरेन्द्र कुमार वर्मा, एसडीएम भिनगा पीयूष जायसवाल, एसडीएम जमुनहा एसके राय, एसडीएम इकौना ओम प्रकाश, तहसीलदार विपुल कुमार सिंह आदि अधिकारी मौजूद रहे।

डीपीओ, सीडीपीओ संग ड्यूटी से लापता तीन सेविकाओं का वेतन रोका

संवाददाता–बहराइच। सरकारी कार्यालयों में अधिकारियों की मौजूदगी व संग सेवाओं के क्रियान्वयन की हकीकत परखने के लिए गुरुवार को डीएम ने रिसिया के तीन विभागों के कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। बिना सूचना के ड्यूटी से लापता तीन मुख्य सेविकाओं के चक्कर में डीपीओ व सीडीपीओ का भी वेतन रोका गया है। पशु चिकित्सालय व सीएचसी में बेतरतीब व्यवस्था पर डीएम ने नाराजगी जताते हुए सुधार की चेतावनी भी दी है। कहा कि दोबारा कार्यालयों की ऐसी दशा मिले तो सीधे कार्रवाई होगी।

डीएम मोनिका रानी राजकीय पशु चिकित्सालय का निरीक्षण किया। पशु चिकित्साधिकारी डॉ. ललित से ओपीडी में आने वाले पशुपालकों व उपचारित पशुओं की संख्या की जानकारी पूछी। कहा कि ओपीडी पंजिका में पशुपालक व उपचारित पशु का विवरण अनिवार्य रूप से दर्ज करने के निर्देश दिए। चिकित्सक ने बताया कि अब तक 07 ग्राम पंचायतों का संतृप्त किया जा चुका है। औषधि कक्ष के निरीक्षण के दौरान औषधि वितरण पंजिका प्रस्तुत न किए जाने पर डीएम ने कड़ी नराजगी जताई। कहा कि पशु चिकित्सालय से सम्बन्धित समस्त पंजिकाओं को डे–बाई–डे अपडेट करने की हिदायत दी। बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय के निरीक्षण के दौरान सीडीपीओ अनूप कुमार, मुख्य सेविका मंजू वर्मा, मोनिका झिगरन व मीनाक्षी गुप्ता अनुपस्थित मिली। मौके पर मौजूद कनिष्ठ सहायक सरोज कुमार ने बताया कि सभी कार्मिक क्षेत्र में हैं। डीएम द्वारा भ्रमण पंजिका मांगे जाने पर कनिष्ठ सहायक द्वारा भ्रमण पंजिका प्रस्तुत नहीं की जा सकी। कार्यालय में उपलब्ध कुर्सी की बुनाई टूटी होने, कार्यालय भवन व स्टोर में प्लास्टर टूटा–फूटा पाये जाने पर डीएम भड़क गई। डीपीओ सहित सभी अनुपस्थित पाए गए कार्मिकों का वेतन रोके जाने के निर्देश दिए। कहा कि कोई भी कर्मचारी उपस्थिति पंजिका में हस्ताक्षर बनाने व भ्रमण पंजिका में विवरण दर्ज करने के पश्चात ही कार्यालय छोड़ेंगे।

सीएचसी रिसिया के पंजीकरण काउण्टर के निरीक्षण के दौरान वार्ड ब्वॉय साकेत निगम ने बताया सवा एक बजे तक 235 मरीजों का पंजीकरण किया गया है। अधीक्षक डॉ. प्रत्यूष सिंह ने बताया कि प्रतिदिन औसत 350 मरीज चिकित्सालय आते हैं। लैब के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि सीएचसी को मल्टीपर्पज जांच के लिए सेलेक्ट्रा–प्रो मशीन उपलब्ध हो गई है। डीएम ने निर्देश दिया कि तत्काल मशीन को क्रियाशील कर मरीजों की जांच की जाय। क्षय रोग जांच पंजिका के निरीक्षण के दौरान लैब टेक्नीशियन ने बताया कि 36 लोगों की जांच की गई है। चिकित्सालय भवन, वार्डों व परिसर की साफ–सफाई बेहतर करने के निर्देश दिए।

प्रोफेसर, टीचर एण्ड नॉन टीचिंग एम्पलाइज विंग का गठन कैलाशनाथ जिलाध्यक्ष, दीपक सिंह 'प्रेमी' जिला महासचिव बने

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । प्रोफेसर, टीचर एण्ड नॉन टीचिंग एम्पलाइज विंग उ.प्र. की मण्डलीय बैठक प्रेस क्लब सभागार में प्रदेश प्रभारी 'प्रोटान' आर. एल. गौतम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में मौलिक डिजिटल रजिस्टर एवं ऑनलाइन उपस्थिति के निर्णय को पूरी तरह से वापस लिये जाने के साथ ही अन्य समस्याओं और उनके निराकरण पर विचार किया गया। बैठक के दूसरे चरण में सर्व सम्मति से प्रोफेसर, टीचर एण्ड नॉन टीचिंग एम्पलाइज विंग उ.प्र.'प्रोटान' के बस्ती इकाई का गठन किया गया जिसमें कैलाशनाथ जिलाध्यक्ष, दीपक सिंह 'प्रेमी' जिला महासचिव, विजय कुमार भारती जिला सचिव, दिवाकर अमर सिंह उपाध्यक्ष के साथ ही वृजमोहन कन्नौजिया को परसरामपुर, राकेश कुमार चौहान गौर और सत्या प्रकाश को साऊंघाट का ब्लाक अध्यक्ष मनोनीत किया गया। इसी क्रम में जोखू पासवान को संतकबीर नगर जनपद का जिलाध्यक्ष नामित किया गया है।

जिलाध्यक्ष कैलाशनाथ ने कहा कि डिजिटल रजिस्टर एवं ऑनलाइन उपस्थिति का निर्णय पूरी तरह से अव्यवहारिक है। अनेक विद्यालय सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में हैं जहां नेटवर्क की समस्या बनी रहती है। ऐसी स्थिति में सरकार पूरी तरह से इस निर्णय को वापस लेने के साथ ही शिक्षकों को राज्य कर्मचारियों की भांति सुविधा उपलब्ध कराये। जिला महासचिव दीपक सिंह 'प्रेमी', मण्डल प्रभारी दिनेश चौधरी ने शिक्षकों की समस्याओं को विस्तार से रखा और कहा कि सरकार और विभाग के उच्चाधिकारी ऐसे नियम बनाये जिससे शिक्षा में सुधार हो, शिक्षकों को संदिग्ध कर देने की मानसिकता अनुचित है।

प्रोटान की मण्डलीय बैठक में मुख्य रूप से राजेन्द्र प्रसाद, महेन्द्र कुमार अमरोही, सत्येन्द्र सहाय, अनिल कुमार, गंगा प्रसाद कन्नौजिया, लवकुश वर्मा, अखिलेश यादव, महेन्द्र कुमार, रामचन्द्र यादव, सुरेन्द्र कुमार, सुभाष चन्द्र वरूण, विनोद कुमार के साथ ही अनेक शिक्षक शामिल रहे।

एआरटीओ कार्यालय में डीएम का छापा, तीन दलालों को दबोचा

संवाददाता–बलरामपुर। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद जिलाधिकारी पवन अग्रवाल ने गुरुवार को एआरटीओ कार्यालय पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पूरे कार्यालय में हड़कंप मच गया। सहायक सम्भागीय परिवहन कार्यालय में पहुंचते ही डीएम ने मुख्य गेट पर ताला लगवा दिया। यहां मिले तीन दलालों को डीएम ने पुलिस के हवाले कर दिया। डीएम ने कहा कि एआरटीओ कार्यालय में दलालों का वर्चस्व नहीं चलेगा। इसके लिए सम्बन्धित अधिकारी व कर्मी सचेत रहें, अन्यथा उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने कई अन्य पटलों का निरीक्षण किया।

बलरामपुर एआरटीओ दफ्तर दलालों का अड्डा बन चुका है। ड्राइविंग लाइसेंस से लेकर कोई भी कागजात बनवाने के लिए जब तक आप दलाल से सम्पर्क नहीं करेंगे आपको भागदौड़ करनी पड़ेगी। इसकी शिकायत डीएम पवन अग्रवाल को मिली थी। इसी बात को लेकर उन्होंने गुरुवार को एआरटीओ कार्यालय में छापेमारी की। डीएम वहां पहुंचकर एआरटीओ कार्यालय के मुख्य गेट को बंद करवा दिया। उन्होंने पूरे परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान कई संदिग्ध लोग वहां पाए गए। यह संदिग्ध लोग वहां पर दलाली करने वाले लोग थे। जो ड्राइविंग लाइसेंस से लेकर वाहनों से सम्बन्धित अन्य कार्यों में विभागीय कर्मचारियों व अधिकारियों से मिली भगत से मोटी रकम लेकर उनका काम कराते थे। ऐसे एआरटीओ दफ्तर के तीन दलाल अंकित तिवारी, संतोष कुमार गुप्ता व अनवर को पकड़कर डीएम ने पुलिस के हवाले कर दिया। डीएम ने कहा कि एआरटीओ दफ्तर आने वाले लोगों को दलालों का सहारा क्यों लेना पड़ रहा है। इससे यह प्रतीत होता है कि सम्बन्धित अधिकारियों व कर्मियों की मिलीभगत है। उन्होंने सख्त निर्देश दिया कि किसी भी व्यक्ति को दलालों का सहारा न लेना पड़े। ऐसी व्यवस्थाएं परिवहन निगम के अधिकारी बनाएं। जिन दलालों को डीएम ने पुलिस के हवाले किया है, उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया है। निरीक्षण के दौरान एडीएम प्रदीप कुमार, एसडीएम सदर राजेन्द्र बहादुर, एआरटीओ व सीओसीटी सहित कई अधिकारी मौजूद थे।

एआरटीओ दफ्तर में जो दलाली लम्बे समय से चल रही थी, उससे अब शायद जिलाधिकारी की सख्ती के कारण लोगों को राहत मिल सकेगी। एआरटीओ दफ्तार आए लोगों ने कहा कि कम से कम डीएम ने इस बात का संज्ञान लिया है। उन लोगों का यह भी कहना था कि इसकी लगातार निगरानी कराई जाए, जिससे वाहन चालक व उनके स्वामियों का शोषण न हो सके। लोगों ने बताया कि यहां तैनात बाबू बगैर पैसे के कोई बात नहीं करते हैं। दलालों के माध्यम से काम आसान हो जाता है। इसलिए लोग मजबूरीवश दलालों का सहयोग लेते हैं।

श्रीवानमामलै नांगुनेरी तिरूनेलवेली, तमिलनाडु के 31वें पीठाधीश्वर का अयोध्या मे हुआ स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। देश–विदेश के समस्त श्रीतोताद्रि मठों की प्रधानतमपीठ श्रीवानमामलै नांगुनेरी तिरूनेलवेली, तमिलनाडु के 31वें पीठाधीश्वर जगद्गुरू श्रीतोतादि स्वामी बुधवार को अयोध्या पहुंचे। जहां विभीषण स्थित प्रसिद्ध पीठ श्रीउत्तर तोताद्रिमठ में श्रीमज्जगद्गुरू रामानुजाचार्य स्वामी अनंताचार्य महाराज के संयोजन में उनका स्वागत किया गया। स्वागत–सम्मान से वे बहुत ही अभिभूत दिखे। तोताद्रि स्वामी श्रीवानमामलै नांगुनेरी तिरूनेलवेली मठ चेन्नई से अपने शिष्य–अनुयायियों संग अयोध्यानगरी पहुंचे हैं। स्वामी श्री के अयोध्या पहुंचने पर सर्वप्रथम तोताद्रिमठ के वेदपाठी छात्रों ने स्वस्तिवाचन से उनका स्वागत किया। उसके बाद उनका पद प्राच्छालन कर पुष्पहार भेंट किया गया और आरती उतारी। इस मौके पर श्रीवानमामलै पीठाधीश्वर श्रीतोतादि स्वामी ने कहा कि अयोध्या पवित्र पावन पुनीत धाम है। जहां मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम ने अवतार लिया। आज श्रीरामजन्मभूमि पर उनका दिव्य, भव्य, नव्य बनकर तैयार है, जिसमें श्रीरामलला सरकार विराजमान हैं। जो हम सबके लिए खुशी एवं गर्व की बात है। अयोध्या सप्तपुरियों में मस्तक के समान है। जिसे सातों पुरियों में मस्तक कहा गया है। अयोध्या एक मोक्षदायिनी नगरी है, जिसकी बड़ी ही महिमा है। स्वामी अनंताचार्य महाराज ने कहा कि देश–विदेश में समस्त तोताद्रि मठों की मूलगद्दी के पीठाधिपति श्रीतोताद्रि स्वामी अयोध्या पहुंचे हैं। जो अपने शिष्य–अनुयायियों संग रामनगरी उत्तर तोताद्रिमठ विभीषणकुंड में प्रवास कर रहे हैं। तोताद्रि स्वामी इन दिनों अपने दो दिनी प्रवास पर हैं। इस दौरान वह श्रीरामजन्मभूमि पर विराजमान श्रीरामलला सरकार का दर्शन भी करेंगे। यह उनकी धार्मिक यात्रा है। इससे पहले भी वह अयोध्या आ चुके हैं। 20 जुलाई को दोपहार बाद स्वामीश्री अयोध्या से आगे के लिए प्रस्थान कर जायेंगे। इस अवसर बालदेशिक सोपान ट्रस्ट के प्रबंधक केशव प्रपन्नाचार्य, कूर्मनारायण नेपाली मंदिर के जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी हरिप्रपन्नाचार्य समेत अन्य संत–महंत, भक्तगण मौजूद रहे।

पूर्वाचार्य श्रीमहंत सरयू दास संतों महंतों अर्पित की श्रद्धांजलि

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अयोध्याधाम की प्रमुखतम पीठ श्रीराघव मंदिर रामघाट के पूर्वाचार्य श्रीमहंत सरयू दास महाराज को आठवीं पुण्यतिथि पर शिद्दत से याद किया गया। गुरूवार आषाढ़ शुक्ल द्वादशी तिथि पर मंदिर परिसर में उनकी पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। अयोध्यानगरी के संत–महंतों ने साकेतवासी महंत के चित्रपट पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। संतों द्वारा उनके कृतित्व–व्यक्तित्व का बखान भी किया गया। उपस्थित जनों ने पूर्वाचार्य को निष्ठा भाव से याद किया। इस अवसर पर श्रीराघव मंदिर के वर्तमान पीठाधिपति महंत कुलदीप दास ने कहा कि आश्रम प्रांगण में गुरूदेव सरयू दास महाराज की आठवीं पुण्यतिथि निष्ठापूर्वक मनाई गई। पुण्यतिथि पर अयोध्याधाम समेत अन्य प्रांतों के विशिष्ट संत–महंत, धर्माचार्य, महामंडलेश्वर, जगतगुरु सम्मिलित हुए। जिन्होंने पूर्वाचार्य को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इससे पहले मठ के गर्भगृह में विराजमान श्रीराघव सरकार को विविध पकवानों का भोग लगाया गया। उसके बाद पूजन–अर्चन कर उनकी दिव्य आरती उतारी। तदुपरांत गुरूदेव के चित्रपट पर आरती–पूजन किया गया। श्रीदास ने कहा कि गुरूदेव विलक्षण प्रतिभा के धनी संत थे।

संदिग्ध परिस्थितियों में मिला एक व्यक्ति का शव

संवाददाता–श्रावस्ती। एक व्यक्ति का शव संदिग्ध परिस्थितियों में दुकान के पीछे पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौत की वजह अधिक शराब पीने को बताया जा रहा है। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत शिकारी चौड़ा के मजरा गणेशपुर गांव निवासी राम कुमार सिंह (32) पुत्र हवलदार सिंह गुरुवार सुबह घर से निकला था। दोपहर बाद उसका शव थाना क्षेत्र के बैरियर चौराहे पर दुकानों के पीछे पड़ा पाया गया। शव देख लोगों ने पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उसके परिवार में दो छोटे बच्चे व पत्नी हैं। राम कुमार शराब का नशा करने का आदी था। वह मजदूरी पर शटरिंग का काम करता था। बताया जाता है कि मजदूरी कर जो भी रुपये मिलते थे उससे वह शराब पी जाता था। गुरुवार को वह बैरियर चौराहे पर शराब की दुकान से शराब खरीकर पिया था। अधिक शराब पीने को ही उसकी मौत का कारण बताया जा रहा है।

जिले को आवंटित हुआ इन्टरसेप्टर प्रवर्तन वाहन

संवाददाता–बहराइच। स्पीड गन, प्रदूषण जांच, एनीलाइजर मशीन सहित अन्य अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस इन्टरसेप्टर प्रवर्तन वाहन को जिले को मिला है। गुरुवार को एमएलसी पदम सेन चौधरी ने परिवहन कार्यालय से हरी झण्डी दिखाकर प्रवर्तन कार्य के लिए रवाना किया। एआरटीओ प्रशासन राजीव कुमार ने बताया कि प्रदेश के परिवहन आयुक्त की ओर से जिले को आवंटित किए गए इन्टरसेप्टर प्रवर्तन वाहन की मदद से यातायात नियमों का पालन कराने तथा प्रवर्तन की कार्यवाही में सुविधा होगी।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

मूल वाद सं. 634/2022

अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद

राजाराम

बनाम

नकछेद आदि

बनाम–1–नकछेद कथित पुत्र मोतीलाल निवासी ग्राम–बंवा परगना खण्डासा तहसील मिल्कीपुर जिला– अयोध्या 2– श्रीमती श्यामराजी पत्नी रामलौट निवासी ग्राम– शिवनाथपुर परगना खण्डासा तहसील मिल्कीपुर जिला– अयोध्या

तारीख पेशी 08–08–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 08 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 24 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

अपील नम्बर 461/2024

अदालत– श्रीमान जिला अभिलेख अधिकारी/ जिलाधिकारी महोदय अयोध्या

राम जनम

बनाम

फूलचन्द आदि

बनाम– 1. फूलचन्द 2– श्रीचन्द पुत्रगण स्वर्गीय कृष्ण कुमार 3– श्रीमती सोना देवी पत्नी स्वर्गीय कृष्ण कुमार निवासीगण ग्राम– मीरापुरद्वाबा सोना देवी मार्ग शहर अयोध्या परगना हवेली अवध तहसील सदर जिला– अयोध्या

तारीख पेशी 19–07–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 19 महीना 07 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी श्यामू पुत्र बंशी निवासी बहादुरपुर काजीपुर थाना पूरा कलन्दर तहसील बीकापुर जिला अयोध्या का निवासी हैं। मेरा पुत्र दूधनाथ उर्फ राजू मेरे कहने सुनने में नहीं है। वह अपनी पत्नी मीनू को काफी मारता पीटता है। उसके व्यवहार से पूरा परिवार परेशान है। यदि वह अपनी पत्नी मीनू का देखभाल नहीं करेगा तो मैं उसे अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दूंगा। प्रकाशन इसलिये करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे। मो.नं. 7889844285

तहसील के भ्रष्टाचार के विरोध में वकीलों ने खोला मोर्चा, ज्ञापन सौंपा

संवाददाता–गोंडा। प्रभारी तहसीलदार के विरुद्ध कई आरोप लगाते हुए वकीलों ने तेरह सूत्रीय मांग पत्र डीएम को सौंपा है। गुरुवार को वकीलों ने तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया। आक्रोशित वकीलों ने बार एसोसिएशन अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद त्रिपाठी व महामंत्री चंद्र मणि तिवारी के संयुक्त नेतृत्व में तेरह सूत्रीय मांग पत्र डीएम को सौंप कर कार्यवाही की मांग की। मांग पत्र में नामांतरण, वरासत, किसी आदेश की अंकना , स्थगन दाखिल खारिज, कागजात दुरुस्ती, हदबरारी व अनुसूचित जाति के परमीशन पत्रावलियों में लेटलतीफी का आरोप लगाया है। कहा कि वादकारियों द्वारा किसी तरह से लेखपाल से जांच रिपोर्ट लगवाकर भेजी जाती है जिसे जांच के लिए दोबारा वापस भेज दिया जाता है। पीठासीन अधिकारी अदालत पर न बैठकर अपने चौंबर अथवा निजी कार्य में व्यस्त रहते हैं। सदर तहसील में सैकड़ों अविवादित पत्रावलियां धूल फांक रही हैं। वकीलों का आरोप है कि प्रभारी तहसीलदार जब से आये हैं तब से तहसील भ्रष्टाचार का अड्डा बन गई है। जहां पर बिना पैसे का कोई काम नहीं होने वाला। यही नहीं कभी कभार कोई आदेश हो भी जाए तो उसकी अंकना कराना दुरुह साबित होता है। आदेशों के अंकना का कार्य रजिस्ट्रार कानूनगो का होता है और वह अपनी सीट पर मिलते ही नहीं हैं। डीएम ने वकीलों के आक्रोश को देखते हुए शीघ्र मामले की जांच कराकर आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। इस मौके पर विनय मिश्रा, लाल बिहारी शुक्ला, केशवराम दूबे, अजीत तिवारी, पाटेश्वरी पांडेय आदि मौजूद रहे।

रामनगरी में विश्व में अमन-शांति के लिए हुआ रामार्चा पूजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। विश्व कल्याण के लिए गुरूवार को प्रसिद्ध पीठ श्रीरामाश्रम रामकोट में रामार्चा पूजन हुआ। श्रीरामार्चा पूजन को रामाश्रम के वर्तमान पीठाधीश्वर एवं आरएसएस रामलला नगर संघ चालक महंत जयराम दास वेदांती महाराज ने सानिध्य प्रदान किया। मंदिर के गर्भगृह में विराजमान भगवान श्रीसीताराम का सुबह भोग, आरती–पूजन किया गया। उसके बाद विधि–विधान पूर्वक रामार्चा पूजन हुआ। तदुपरांत महंत जयराम दास महाराज ने उपस्थित साधु–संतों और भक्तजनों को रामार्चा पूजा की कथा विस्तार पूर्वक सुनाई। कथा के समापन उपरांत श्रीरामार्चा भगवान की दिव्य आरती उतारी गई। अंत में सभी को श्रीरामार्चा का प्रसाद वितरित हुआ। प्रसाद पाकर भक्तगण धन्य हुए। उन्होंने अपना जीवन सार्थक बनाया। श्रीरामाश्रम के वर्तमान पीठाधिपति महंत जयराम दास वेदांती महाराज ने कहा कि आषाढ़ शुक्ल द्वादशी पर मठ प्रांगण में रामार्चा पूजन का आयोजन हुआ। पूजन में संत–महंत से लेकर आश्रम से जुड़े हुए भक्तगण सम्मिलित हुए। जिन्होंने पूरे श्रद्धा भाव के साथ श्रीरामार्चा भगवान के प्रति अपनी आस्था और

श्रद्धा निवेदित की। महंत श्रीदास ने कहा कि विश्व और राष्ट्र कल्याण के लिए यह धार्मिक अनुष्ठान आयोजित हुआ। जिससे सभी में विश्व बंधुत्व की भावना बनी रहे। सब लोग मिल–जुलकर रहें। उनमें आपसी एकता–भाईचारा बना रहे। किसी प्रकार की वैमनस्यता न हो। अमन, शांति पूरे विश्व तक जाए। भारत देश तरक्की के पथ पर अग्रसर हो। भारत पूरे विश्व में परचम लहराये। वह फिर से विश्व गुरु बने, जिसकी गणना दुनिया के शक्तिशाली देशों में हो। वह नई बुलंदियों को छुए। इसी उद्देश्य को लेकर रामार्चा पूजन किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ आश्रम के महंत रामेश्वर दास, करूणानिधान भवन के अधिकारी रामनारायण दास, महंत विनोद मिश्रा, आचार्य कृष्णचंद्र ठाकुर समेत अन्य मौजूद रहे।

युवक का शव कमरे में हुक से लटकता मिला

संवादददाता–गोंडा। थानाक्षेत्र के ग्राम चरसड़ी में गुरुवार को संदिग्ध हालात में 20 वर्षीय नितिन श्रीवास्तव का शव कमरे में छत के हुक से साड़ी के फंदे के सहारे लटकता हुआ पाया गया। दादी जनक दुलारी की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़वाकर शव को नीचे उतरवाया। जिले से पहुंची फोरेंसिक टीम ने घटना के बारे में पड़ताल की है । थानाध्यक्ष दिनेश सिंह ने बताया कि पंचायत नामा भरकर शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है, पुलिस हर पहलुओं पर गहनता से जांच कर रही है।

कार्यालय ग्राम पंचायत- मरवटिया माफी
वि0ख0 - उसका बाजार, जनपद- सिद्धार्थनगर

निविदा/आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **मरवटिया माफी** विकास खण्ड उसका बाजार, जनपद सिद्धार्थनगर द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना पंद्रहवां वित्त/चतुर्थ राज्य वित्त /केन्द्रीय वित्त/ स्वच्छ भारत मिशन एवम अन्य शासकीय योजना के अन्तर्गत स्वीकृति तथा कराये जाने वाले कार्यों में प्रयोग हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु इंटरलाकिंग प्रथम श्रेणी ईट, बालू, सीमेन्ट, मोरंग, सरिया, पेन्ट, वायरिंग, पत्थर की गिट्टी, टाइल्स, ह्यूमपाइप, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, हार्डवेयर, सफाई कर्मी, गोवंश भरण–पोषण, हेतु भूसा दाना, टूल किट, इण्डिया मार्का पम्प, मरम्त, रिबोर पंचायत भवन निर्माण व मरम्मत व सार्वजनिक स्थान पर बैठने हेतु बेंच निर्माण, पार्किग बेंच लगवाने हेतु, ग्राम पंचायत में उपस्वास्थ्य केन्द्र मरम्मत/सामुदायिक शौचालय मरम्मत व निर्माण, ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धक (एस0एल0डब्लू0एम0), इलेक्ट्रानिक मटेरियल आदि समानो की व समय समय पर आवश्कतानुसार कार्य करने सम्बंधित सामग्री इत्यादि की आपूर्ति हेतु निविदा सत्र 2024–25 हेतु आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा दिनॉक 24–07–2024 को प्रातः 01.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा तथा वाछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय **मरवटिया माफी** के निविदा बॉक्स में डाली जायेगी। और उसी दिन प्रातः 02:00 बजे ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेन्डर खोला जायेगा तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर की राशि मूल्य 5000– रुपये होगी।

नियम व शर्ते

1–जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगी, वही निविदा स्वीकृत की जायेगी ।
2–आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकरदाता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3–सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत में कार्य स्थल पर ही करनी होगी।
4– जो दरे प्रस्तुत की जाये वह जीएसटी तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाये।
5– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत/ग्राम प्रधान के आदेश पर ही की जायेगी।
6– सामग्री की मात्रा घटायी या बढ़ाई जा सकती है।
7– ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान/सचिव/सदस्य/बीडीसी/जिला पंचायत सदस्य/ तकनीकी सहायक/रोजगार सेवक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बंधित एवं रिस्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी। उक्त आशय की नोटरी शपथ पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
8– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा स्वीकृति आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियंता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जायेगा गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जायेगा।
9– आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। आपूर्ति हेतु सम्बंधित के पास डीलरशिप/एजेंसी होना अनिवार्य है अन्यथा की दशा में आपूर्तिकर्ता को आपूर्ति हेतु खरीदी गयी सामग्री का पक्का बिल प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
10– निविदा फॉर्म ग्राम पंचायत **मरवटिया माफी** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 100 (एक सौ) रुपया है पर ही स्वीकार किया जायेगा। अन्य जानकारी ग्राम पंचायत कार्यालय महदेवा लाला से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान–नीलाक्षी देवी	सचिव–शैलेन्द्र गुप्ता
ग्राम पंचायत– मरवटिया माफी	ग्राम पंचायत– मरवटिया माफी
विकास खण्ड–उसका बाजार	विकास खण्ड–उसका बाजार
जनपद –सिद्धार्थनगर	जनपद –सिद्धार्थनगर

कार्यालय ग्राम पंचायत- मंझरिया
वि0ख0 - उसका बाजार, जनपद- सिद्धार्थनगर

निविदा/आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **मंझरिया** विकास खण्ड उसका बाजार, जनपद सिद्धार्थनगर द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना पंद्रहवां वित्त/चतुर्थ राज्य वित्त /केन्द्रीय वित्त/ स्वच्छ भारत मिशन एवम अन्य शासकीय योजना के अन्तर्गत स्वीकृति तथा कराये जाने वाले कार्यों में प्रयोग हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु इंटरलाकिंग प्रथम श्रेणी ईट, बालू, सीमेन्ट, मोरंग, सरिया, पेन्ट, वायरिंग, पत्थर की गिट्टी, टाइल्स, ह्यूमपाइप, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, हार्डवेयर, सफाई कर्मी, गोवंश भरण–पोषण, हेतु भूसा दाना, टूल किट, इण्डिया मार्का पम्प, मरम्त, रिबोर पंचायत भवन निर्माण व मरम्मत व सार्वजनिक स्थान पर बैठने हेतु बेंच निर्माण, पार्किग बेंच लगवाने हेतु, ग्राम पंचायत में उपस्वास्थ्य केन्द्र मरम्मत/सामुदायिक शौचालय मरम्मत व निर्माण, ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धक (एस0एल0डब्लू0एम0), इलेक्ट्रानिक मटेरियल आदि समानो की व समय समय पर आवश्कतानुसार कार्य करने सम्बंधित सामग्री इत्यादि की आपूर्ति हेतु निविदा सत्र 2024–25 हेतु आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा दिनॉक 24–07–2024 को प्रातः 10.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा तथा वाछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय **मंझरिया** के निविदा बॉक्स में डाली जायेगी। और उसी दिन प्रातः 11:00 बजे ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेन्डर खोला जायेगा तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर की राशि मूल्य 5000– रुपये होगी।

नियम व शर्ते

1–जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगी, वही निविदा स्वीकृत की जायेगी ।
2–आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकरदाता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3–सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत में कार्य स्थल पर ही करनी होगी।
4– जो दरे प्रस्तुत की जाये वह जीएसटी तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाये।
5– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत/ग्राम प्रधान के आदेश पर ही की जायेगी।
6– सामग्री की मात्रा घटायी या बढ़ाई जा सकती है।
7– ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान/सचिव/सदस्य/बीडीसी/जिला पंचायत सदस्य/ तकनीकी सहायक/रोजगार सेवक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बंधित एवं रिस्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी। उक्त आशय की नोटरी शपथ पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
8– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा स्वीकृति आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियंता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जायेगा गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जायेगा।
9– आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। आपूर्ति हेतु सम्बंधित के पास डीलरशिप/एजेंसी होना अनिवार्य है अन्यथा की दशा में आपूर्तिकर्ता को आपूर्ति हेतु खरीदी गयी सामग्री का पक्का बिल प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
10– निविदा फॉर्म ग्राम पंचायत **मंझरिया** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 100 (एक सौ) रुपया है पर ही स्वीकार किया जायेगा। अन्य जानकारी ग्राम पंचायत कार्यालय महदेवा लाला से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान–सांवर देवी	सचिव–शैलेन्द्र गुप्ता
ग्राम पंचायत– मंझरिया	ग्राम पंचायत– मंझरिया
विकास खण्ड–उसका बाजार	विकास खण्ड–उसका बाजार
जनपद –सिद्धार्थनगर	जनपद –सिद्धार्थनगर

गम में थे पीड़ित परिजन, अस्पताल पहुंचे हर आंखों में था गुस्सा

संवाददाता–संतकबीरनगर। कर्बला में ताजियां को दफन करने ले जाते दौरान चुरेब रेलवे क्रासिंग पर घटी घटना में यदि प्रशासन समय से सतर्क नहीं हुआ होता तो बड़ा बवाल होता। घटना में भाटपार के एक युवक की मौत होने और तीन लोगों के घायल होने से जुलूस में शामिल लोग उग्र हो गए थे। घटना स्थल से लेकर भाटपार गांव और जिला अस्पताल तक पहुंचे हर लोगों की आंखों में गुस्सा साफ झलक रहा था। वहीं पीड़ित परिजनों के करूण कंद्रन से माहौल गमगीन हो गया। जिला अस्पताल पहुंचे भाटपार गांव के प्रधान मोहम्मद इस्माइल ने बताया कि घटना उनकी आंखों के सामने घटा,लेकिन वह कुछ नहीं कर पाए। प्रधान के साथ जिला पंचायत सदस्य अख्तर खान, दानिश आदि ने यहीं कहा कि पुलिस और गेटमैन की लापरवाही की वजह से घटना घटी है। यदि पुलिस जुलूस के आगे–पीछे रही होती तो शायद घटना नहीं घटती। लंबे समय से ताजियां इसी रास्ते होकर कर्बला जाती रही है,लेकिन इस साल घटना घट गई। त्योहार में भंग पड़ गया। वहीं पुलिस की पूछताछ में गेटमैन दीपक कुमार ने हॉफते हुए बताया कि मालगाड़ी गुजर रही थी। जिसकी वजह से गेट बंद रहे थे और जुलूस में शामिल लोग गेट खुलवाएं और उसी दौरान ताजियां इलेक्ट्रिक तार से स्पर्श हुआ और हादसा हो गया। जिला अस्पताल पहुंचे लोग घटना को लेकर अपना–अपना तर्क दे रहे थे।

भाटपार गांव और जिला अस्पताल पर मौजूद मृतक इलियास के परिजनों का रो– रोक कर बुरा हाल था। ग्रामीण बताए कि इलियास सात भाईयों में छठें नंबर के थे। वह खलीलाबाद में ई– रिक्शा चलाते थे। ई–रिक्शा से होने वाली कमाई से घर के खर्च में सहयोग करते थे। इलियास अविवाहित थे। जैसे ही उनके मौत की खबर उनके परिजनों को हुई,वैसे ही अस्पताल आई महिलाएं विलाप करने लगी। महिलाओं को अन्य लोग समझाने में जुट गए। वहीं अस्पताल में भर्ती सहजाद, अब्दुल करीम और राम सुभग के परिजन बार– बार डॉक्टर और कंपाउंडर से उनकी हालत पूछ रहे थे। परिजन पीड़ितों के सिर को सहला रहे थे और बार– बार उनकी सलामती पूछ रहे थे। डॉक्टरों ने घायलों को खतरे से बाहर होने की बात बताई,तब जाकर परिजन राहत की सांस लिए। शशि शेखर सिंह, एएसपी ने कहा कि कांटे चौकी क्षेत्र में भाटपार गांव के लोग ताजिया लेकर कर्बला जा रहे थे। चुरेब क्रासिंग पर मालगाड़ी गुजरने की वजह से गेटमैन गेट बंद कर रहा था। गेटमैन के रोकने के बाद भी जुलूस में शामिल कुछ लोग ताजिए को आगे बढ़ा दिए। जिससे बोर हेड वायर में ताजिया टच कर गया और सोनू उर्फ इलियास नाम के युवक की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई।

सपा की नीतियों को जनता के बीच ले जाएं –जिलाध्यक्ष

संवाददाता–गोरखपुर। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर सपा युवजन सभा की बैठक गुरूवार को हुई। बैठक में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा की गई। मुख्य अतिथि के रूप में सपा के जिलाध्यक्ष बृजेश कुमार गौतम और विशिष्ट अतिथि कुश कुमार सिंह रहे। अध्यक्षता युवजन सभा के जिलाध्यक्ष राहुल यादव ने की। बृजेश कुमार गौतम ने कहा कि सपा की नीतियों को जनता के बीच ले जाए। लोकसभा चुनाव की तरह विधानसभा चुनाव में भी जीत हासिल होगी। इस बीच आबिद अली को संगठन का जिला सचिव व अमित यादव को जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। इस मौके पर महानगर अध्यक्ष शब्बीर कुरैशी, जिला उपाध्यक्ष शुभेंदु यादव, महासचिव विजय प्रकाश गोस्वामी, वेद प्रकाश चौधरी, वीरेंद्र यादव, राकेश यादव, राजेश्वर मिश्रा आदि मौजूद रहे।

सेवानिवृत्त कर्मचारी एसोसिएशन ने शुरू किया मोहल्ला बैठक, उठे मुद्दे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर एसोसिएशन की बैठक जिलाध्यक्ष नरेन्द्र बहादुर उपाध्याय की अध्यक्षता में रौतापार मोहल्ला स्थित रामधीरज यादव के आवास पर सपन्न हुई। निर्णय लिया गया कि एसोसिएशन की मजबूती और सदस्यता अभियान बढाने के लिये अब सदस्यों के घरों पर भी बैठकें होंगी। संचालन करते हुये जिला मंत्री उदय प्रताप पाल ने कहा कि सदस्यों से महत्वपूर्ण सुझाव लेने के साथ ही समस्याओं के समाधान का प्रयास होगा। ऐसी बैठकों से लोग परिवारों से भी जुड़ेंगे।

बैठक को सम्बोधित करते हुये जिलाध्यक्ष नरेन्द्र बहादुर उपाध्याय ने कहा कि एसोसिएशन लगातार सेवानिवृत्त कर्मचारियों के हितों के लिये संघर्ष कर रहा है। घरेलू बैठकों से सदस्यों के बीच आत्मीयता भी बढ़ेगी और समस्याओं के समाधान में मदद भी मिलेगी। मोहल्लावार बैठकें कर सदस्यों की संख्या बढायी जायेगी। बैठक का आरम्भ पूर्व प्रधानाचार्य राकेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ।

बैठक में राशिकृत पेंशन की वसूली 10 वर्ष बाद न किये जाने, उम्र 65, 70 और 75 वर्ष पर 5, 10, 15 प्रतिशत पेंशन में बढोत्तरी, रेलवे किराये में वरिष्ठ नागरिकों के लिये छूट बहाल किये जाने, पुरानी पेंशन बहाली एवं कैशलेश चिकित्सा, कोरोना काल का फ्रीज डीए जारी करने आदि का मुद्दा छाया रहा।

जिला मंत्री उदय प्रताप पाल ने कहा कि एसोसिएशन द्वारा समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया था। निश्चित रूप से इसके सकारात्मक परिणाम सामने आयेंगे। पेंशनरों की समस्याओं के निस्तारण के लिये एसोसिएशन लगातार संघर्षशील है।

मोहल्ला बैठक में राधेश्याम तिवारी, चन्द्र प्रकाश पाण्डेय, सुरेशचन्द्र दूबे, सुरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, प्रेमशंकर लाल, रामधीरज यादव आदि ने पेंशनरों की समस्याओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

यह जानकारी देते हुये एसोसिएशन के सह मीडिया प्रभारी प्रेमनाथ उपाध्याय ने बताया कि बैठक में सेवानिवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं पर बैठक में बिन्दुवार विचार विमर्श किया गया। इसका शीघ्र निराकरण कराया जायेगा।

बैठक में राधेश्याम श्रीवास्तव, गंगाराम चौधरी, रामनरायन वर्मा, गिरिजाशंकर लाल श्रीवास्तव, ईश्वरचन्द्र श्रीवास्तव, रामधीरज, घनश्याम लाल श्रीवास्तव, राकेश कुमार श्रीवास्तव, रामचेत सिंह, छोटेलाल यादव, दिनेश चन्द्र श्रीवास्तव, मनोज कुमार श्रीवास्तव, रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, सुभाष चन्द्र श्रीवास्तव, उमाशंकर लाल, अंजनी कुमार श्रीवास्तव आदि शामिल रहे।

जिला कारागार के कैदी की हार्ट अटैक से मौत

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जिला कारागार में आजीवन कारावास की सजा काट रहे एक कैदी की हार्ट अटैक से मौत हो गई। वह किडनी समेत अन्य कई बीमारियों से जूझ रहा था। सूचना मिलने पर पुलिस ने बंदी के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के रतनपुर निवासी अरशद पुत्र अकरम वर्ष 2018 से सामूहिक दुराचार और हत्या के मामले में जिला कारागार में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। जिला कारागार के डिप्टी ज्वेल छोटेलाल ने बताया कि मंगलवार की सुबह उठने के बाद अरशद दैनिक क्रिया के उपरांत प्रतिदिन की तरह ही हाजिरी में पहुंचा था। लगभग सुबह साढ़े सात बजे सीने में तेज दर्द की शिकायत के बाद उसे जेल अस्पताल से दवाई उपलब्ध कराई गई। जेल अस्पताल से दवा लेने के बाद भी उसको आराम नहीं हुआ। जिसके बाद तत्काल जेल स्टाफ द्वारा उसे जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां पर इलाज के लिए भर्ती कराया गया इसी दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर जेल अधीक्षक समेत अन्य अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और मृतक के बारे में जानकारी हासिल की। बताया जा रहा है कि अरशद पिछले कई महीने से किडनी समेत कई बैमारियों से जूझ रहा था। उधर सूचना मिलने पर पहुंची अकबरपुर कोतवाली पुलिस ने लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जेल के अधिकारियों ने बताया कि अरशद के मौत की जानकारी उसके परिजनों को भी दे दी गई है। जानकारी मिलने पर परिजन भी पहले जिला अस्पताल फिर पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे जहां पर सभी का रो–रोकर बुरा हाल था।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
मूलवाद सं0 47/1984
अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती महोदय जिला–बस्ती

छॅागुर
बनाम
तृशंकु बहादुर आदि

1. सरिता सिंह उम्र लगभग 78 साल विधवा रामफेर 2. दीपेन्द्र सिंह उम्र लगभग 50 साल पुत्र रामफेर सिंह 3. अंजली सिंह उम्र लगभग 20 साल पुत्री रामफेर सिंह साकिनान मौजा दौलतपुर तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती 4. शिवानी सिंह उम्र लगभग 45 साल पुत्री रामफेर सिंह पत्नी प्रवेश सिंह साकिन कलवारी तप्पा कलवारी परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती पोस्ट कलवारी मुस्तहकम 5. शिवागी सिंह उम्र लगभग 40 वर्ष पुत्री रामफेर सिंह पत्नी अमित कुमार सिंह साकिन धानीपुरवा पोस्ट मझारा जिला–गोण्डा 6. शान्ती सिंह उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्री रामफेर सिंह पत्नी चन्दन सिंह साकिन सिकरहा पोस्ट सावरपुर जिला गोण्डा

तारीख पेशी 25–07–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 25 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 16 माह 07 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 22/2023
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती महोदय जिला–बस्ती

दीपनरायण
बनाम
राज कुमार आदि

1. राज कुमार पुत्र भीम प्रसाद 2. अशीष कुमार पुत्र भीम प्रसाद 3. माया देवी पत्नी भीम प्रसाद साकिनान मौज ग्राम डारीडीहा तप्पा कलवारी परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

4. गंगाराम 5. परशुराम 6. मस्तराम पुत्रगण झिनकू, साकिनान मौज ग्राम डारीडीहा तप्पा कलवारी परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती

–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

7. राम प्रसाद 8. शिव प्रसाद 9. जय प्रकाश पुत्रगण गोमती 10. प्रेम प्रकाश 11. चन्द्र प्रकाश 12. विनय प्रकाश पुत्रगण गनेश साकिनान मौज ग्राम डारीडीहा तप्पा कलवारी परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती

–प्रतिवादीगण तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 21–08–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 21 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रर समायत अपील
वाद सं0 434/2024
अदालत– श्रीमान मण्डलायुक्त बस्ती मण्डल बस्ती जिला–बस्ती

उषा देवी आदि
बनाम
बृजलाल आदि

1. बृजलाल पुत्र श्री मेवालाल 2. सुनील 3. संतोष पुत्रगण साधुसरन 4. मंशा देवी बेवा श्री साधुसरन साकिनान मौजा कटरा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती 5. सरकार उ0प्र0 द्वारा जिलाधिकारी बस्ती 6. अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बस्ती

तारीख पेशी 02–08–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 02 महीना 08 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्श जो कानून आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख 18 माह 07 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश (आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0– 69/2021

उदयशंकर आदि
बनाम
जयनाथ आदि

1. जयनाथ उम्र लगभग 45 साल 2. रामनाथ उम्र लगभग 38 साल पुत्रगण रामफेर निवासीगण मौजा सिद्धनाथ तप्पा कबरा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 16–08–2024

हरगाह मुद्दई मजकूरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 16 माह 08 सन 2024 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुदां की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 18 माह 07 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
M.A.C.P.N0 85/2022
अदालत–श्रीमान समक्ष मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जिला–बस्ती

जसवन्त
बनाम
काजोल सिंह आदि

1. काजोल सिंह पत्नी धर्मपाल सिंह ग्राम कोठवा पो0 बभनान थाना गौर तहसील हरैया जिला–बस्ती (वाहन स्वामी कार संख्या UP 78 CD- 7111)
2. रंजय कुमार सिंह पुत्र श्री शिव कुमार सिंह ग्राम पौली पो0 संग्रामपुर थाना व तहसील हरैया जिला–बस्ती (वाहन चालक कार संख्या UP 78 CD- 7111)

तारीख पेशी 19–07–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 19 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
M.A.C.P.N0 84/2022
अदालत–श्रीमान समक्ष मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जिला–बस्ती

राज कुमारी
बनाम
काजोल सिंह आदि

1. काजोल सिंह पत्नी धर्मपाल सिंह ग्राम कोठवा पो0 बभनान थाना गौर तहसील हरैया जिला–बस्ती (वाहन स्वामी कार संख्या UP 78 CD- 7111)
2. रंजय कुमार सिंह पुत्र श्री शिव कुमार सिंह ग्राम पौली पो0 संग्रामपुर थाना व तहसील हरैया जिला–बस्ती (वाहन चालक कार संख्या UP 78 CD- 7111)

तारीख पेशी 19–07–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 19 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

भारत विकास परिषद ने किया पौधरोपण, दिया पर्यावरण रक्षा का सन्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। भारत विकास परिषद मनवर शाखा परिषद के तत्वाधान में कप्तानगंज विकासखण्ड के महादेवरी गांव स्थित माता कात्यायनी मंदिर के प्रांगण में बड़ी संख्या में पौधरोपण किया गया। पौधारोपण कार्यक्रम भारत विकास परिषद मनवर शाखा के अध्यक्ष सुभाष चन्द्र त्रिपाठी की अगुवाई में आम, पीपल, अशोक, आंवला, अमरूद सहित बड़ी संख्या में फलदार, छायादार और औषधीय पौधे लगाए गए। श्री त्रिपाठी ने कहा कि भारत विकास परिषद के तत्वाधान में पूरे देश की सभी शाखाओं द्वारा पौधरोपण कार्यक्रम किया जा रहा है। पृथ्वी को किसी भी प्राकृतिक आपदा से बचाने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने की जरूरत है। पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधे का संरक्षण जरूरी है क्योंकि प्रायः देखा जाता है कि देखभाल के अभाव में पौधे सूख जाते हैं। मनवर शाखा के संरक्षक अवधेश त्रिपाठी ने अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील करते हुए कहा कि वृक्ष हैं तो पृथ्वी पर जीवन है। नए दौर में वृक्षों का अंधाधुंध दोहन हो रहा है। यही कारण है कि मौसम में परिवर्तन आ रहा है। पृथ्वी के तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है। इस अवसर पर डॉ दीनानाथ पटेल, डॉ हरिओम श्रीवास्तव, धर्मध्वज सिंह, डॉ विकास कान्त पाण्डेय, सन्तोष कुमार शुक्ल, उमेश चंद्र पाण्डेय, अनिल कुमार पाण्डेय, विवेक कान्त पाण्डेय, रवीश कुमार मिश्र, शक्ति शरण उपाध्याय, नटवर सिंह, प्रधान राधेश्याम मणि, आशुतोष शुक्ल, शिव शंकर शुक्ल, जय प्रकाश शुक्ल, शिव प्रसाद शुक्ल, अमरनाथ शुक्ल, राजाराम विश्वकर्मा, सतीश शुक्ल लायक, लक्ष्मीकांत शर्मा, दुर्गा प्रसाद, तेजस, शिवम, पूर्णिमा सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा माध्यमिक शिक्षा परिषद उ.प्र. हाई स्कूल वर्ष **1998** अनुक्रमांक **1064085** का अंक पत्र, मूल प्रमाण–पत्र (सनद) वास्तव में खो गया है।

(दुर्गेश कुमार यादव)
पुत्र श्री रामचरित्र यादव
ग्राम–नरौली
पोस्ट– गौरा उपाध्याय
जनपद– बस्ती (उ.प्र.)
मो0 8765389396

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम पूर्व में दीप्ति स्टार था मेरे अभिलेखीय व शैक्षणिक प्रमाण पत्रों मे यही नाम अंकित है। मैंने अपना नाम बदल कर दीप्ति श्रीवास्तव कर लिया है। अब मैं दीप्ति श्रीवास्तव पत्नी गणेश श्रीवास्तव 94 खसरा नम्बर 66 झूलेलाल मन्दिर अलीनगर सुनहरा लखनऊ के नाम व पते से जानी पहचानी जाउंगी।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com